सुविचार

भाषा साहस है। एक विचार की कल्पना करने, उसे बोलने और ऐसा करके उसे सच करने की क्षमता है।

–सलमान रुश्दी

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 29 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 164 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Shraddha Kapoor's Cryptic Emotional Note Leaves Fans...

SARAFA

सोना	:	9,110
चांदी	:	119.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भारत ने मलेशिया को हराकर जीता एशियाई स्नूकर में गोल्ड मेडल

COLUMBO : कई दफा के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी और बृजेश दमानी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शनिवार को यहां एसीबीएस एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप में मजबूत मलेशिया को 3-1 से हराकर टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत ने पिछली बार दो साल पहले ईरान में स्वर्ण जीता था। इस तरह यह भारत का पांचवां स्वर्ण पदक है।

कोलकाता गैंगरेप : प्रदर्शन कर रहे केंद्रीय मंत्री सुकांत हिरासत में लिए गए

KOLKATA : कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। शनिवार को इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को कोलकाता पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह घटना गड़ियाहाट क्रॉसिंग, दक्षिण कोलकाता में हुई, जहां भाजपा कार्यकर्ता और नेता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पुलिस ने यह कार्रवाई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर की है।

राजधानी के कई इलाकों में आज बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

RANCHI : विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल अशोकनगर के अंतर्गत अशोकनगर पावर हाउस से निकलने वाले 11 केवी न्यू वे फीडर में रविवार को दोपहर 1.30 बजे से 3.00 बजे तक पेड़ की डालियों की छंटाई की जाएगी। इस वजह से इस अवधि में अरगोड़ा चौक, बुध विहार, अशोक विहार, अशोकनगर एक्सरटेंशन, सेंट्रल अशोका सहित अन्य, इलाकों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस संबंध में बिजली विभाग ने संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं से विद्युत से होने वाले जरूरी कार्यों को पहले पूरा करने का आग्रह किया है।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

NEW DELHI : दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। इनमें से पांच 'ट्रांसजेंडर' के भेष में रह रहे थे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों में से सात के फोन में प्रतिबंधित मैसेजिंग ऐप मिले हैं जिनके जरिये वे बांग्लादेश में अपने परिजनों से बात करते थे।

नौकरशाही

डॉ. ब्रजेश मिश्र

झारखंड की नौकरशाही में इन दिनों सबसे बड़ी चर्चा हालिया तबादलों को लेकर है। कहा जा रहा है कि नए दायित्व वितरण में एक साथ कई पैमानों पर परीक्षण हुआ है। क्या कुछ चल रहा है अंदरखाने, जानें द फोटोन न्यूज के एग्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

बाबा का आशीर्वाद

काफी पहले एक फिल्म आई थी 'वक्त', गाना भी काफी लोकप्रिय हुआ था... वक्त से दिन और रात, वक्त से कल और आज, वक्त की हर शय गुलाम, वक्त का हर शय पे राज। जी हां, आदमी को चाहिए कि वक्त से डरकर चले। कब किसका कैसा वक्त होगा, यह तो वक्त–वक्त की बात है। कुछ ग्रह–नक्षत्र की भी बात होती है। अब इन साहब को देखिए। राज्य में अच्छी–भली योजना को संभाल रहे थे। उम्मीद जताई जा रही थी कि ज्ञान की दुनिया को 'आदित्य' की रोशनी से रोशन कर देंगे। सब कुछ ठीक ही चल रहा था कि वक्त खराब हो गया। गुरुजनों के पहनावे पर कुछ ज्यादा ही फोकस कर दिया। जिन गुरु के चरण स्पर्श को पुनीत कार्य माना जाता है, उनके चरण के पहनावे को लेकर चर्चा चरम पर पहुंच गई। फिर क्या था। वक्त खराब होना ही था। हो भी गया। उसी बीच हुक्मरान ने नौकरशाही को मथ दिया। साहब भी मथाकर किनारे लग गए। कुछ समय शांत रहे। वक्त का इंतजार किया। फिर अपना वक्त ठीक करने की जुगत में लग गए। कहा जाता है कि वक्त खराब हो तो निराश नहीं होना चाहिए। संभावनाएं कभी खत्म नहीं होतीं। कुछ ऐसी ही सोच रही होगी। किनारे लगे थे सो तिनके का सहारा चाहिए था। मन से ईश की वंदना करते रहे। कुछ उम्मीद की किरण जगी। नव प्रभात चाहिए था। सहारा मिला। वक्त बदलने का वक्त आ गया था। अब जरूरत बाबा के आशीर्वाद की थी। बिना आशीर्वाद के भला कहीं कुछ होता है...। फिर शुरू हुई बाबा के दर की दौड़। वो कहा जाता है न, किसी चीज को पूरे दिल से चाहो तो सारी कायनात उसे दिलाने में जुट जाती है। बाबा के दर तक दौड़ का फलाफल मिलने का वक्त आ गया। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगा। अब तलाश थी तो एक अदद कुर्सी की। माथापच्ची शुरू हुई कि किसकी कुर्सी खाली कराई जाए, जहां साहब की ताजपोशी की जा सके। तलाश भी पूरी हो गई। कोयले वाले इलाके को इसके लिए पसंद किया गया। वाकई, वक्त बदल गया। सामूहिक प्रयास रंग लाया। बरसात में जलाशय लबालब हैं। तालाब में पंकज खिल रहा है। ऐसे में गुरु की कमी काफी खल रही थी। उनसे बात होती तो कुछ दिव्य ज्ञान और प्राप्त हो जाता। न जाने इन दिनों कहां खो गए हैं कि मुलाकात नहीं हो सकी। कोई बात नहीं, जाएंगे कहां। बात तो होगी ही। गुरु का ज्ञान नहीं, बाबा का आशीर्वाद सही।

अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद ग्रुप कैप्टन शुभांशु से पीएम ने की बातचीत

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की। शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन के तहत इस समय आईएसएस पर हैं। पीएमओ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की बातचीत की तस्वीर साझा करते हुए लिखा,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं। शुभांशु शुक्ला ने 25 जून को एक्सिओम-4 मिशन के अंतर्गत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा शुरू की थी। इस ऐतिहासिक उड़ान के साथ उन्होंने भारत का नाम वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर और अधिक गौरव के साथ अंकित किया है। यह क्षण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक गौरवपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज हो गया, क्योंकि शुक्ला पिछले 40 वर्षों में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं।

जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के जन्मशताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले-

संतों के अमर विचारों से भारत सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता

NEW DELHI @ PTI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत अपने संतों और ऋषियों के अमर विचारों व दर्शन के कारण दुनिया की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज जी की जन्मशताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं आचार्य विद्यानंद महाराज के विचारों से प्रेरित हैं। कार्यक्रम विज्ञान भवन में आयोजित किया गया था और संस्कृति मंत्रालय ने भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट, दिल्ली के सहयोग से देश के सबसे प्रतिष्ठित जैन आध्यात्मिक नेताओं, विद्वानों और समाज सुधारकों में से एक की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में इसका आयोजन किया था। विद्यानंद महाराज का जन्म 22 अप्रैल, 1925 को बेलगावी (अब कर्नाटक में) के शेडबल में हुआ था। उन्होंने जैन दर्शन, अनेकांतवाद और मोक्षमार्ग दर्शन सहित जैन दर्शन एवं नैतिकता पर 50 से अधिक रचनाएं लिखी। कार्यक्रम में राष्ट्रसंत परम्पराचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मंच पर मौजूद थे। पीएम ने कहा कि चाहे घर उपलब्ध कराना हो, पेयजल उपलब्ध कराना हो या स्वास्थ्य बीमा, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि उसकी कल्याणकारी योजनाएं हर व्यक्ति तक पहुंचे, ताकि कोई भी इससे वंचित न रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन से पहले दिए गए एक जैन संत के संबोधन का भी उल्लेख किया, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए जैसे ही ये कहा कि जो हमें छेड़ेगा..., तो वहां मौजूद लोगों ने जोरदार तरीके तालियां बजानी शुरू कर दीं। हालांकि, मोदी ने इस बारे में और अधिक बात नहीं की।

» केंद्र सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं आचार्य विद्यानंद के विचारों से प्रेरित

» विषम परिस्थिति में भारत ने दुनिया को अहिंसा की ताकत से कराया परिचित

यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर व्यक्ति तक पहुंचे कल्याणकारी योजनाएं

साहित्य एवं संगीत में योगदान को सराहा

मोदी ने आचार्य विद्यानंद महाराज जी की विरासत और प्राकृत भाषा के पुनरुद्धार, कई प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार तथा साहित्य एवं संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका जीवन विद्या और आनंद का अद्वितीय संगम था। उन्होंने कहा, हमारा भारत दुनिया की सबसे पुरानी जीवंत सभ्यता है, जो हजारों सालों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारी सोच अमर है।

सेवा और मानवता ही मूल भावना

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जहां सेवा और मानवता इसकी मूल भावना के केंद्र में हैं। उन्होंने कहा, हजारों साल पहले जब दुनिया ने हिंसा का जवाब हिंसा से देने का मार्ग चुना था, तब भारत ने दुनिया को अहिंसा की ताकत से परिचित कराया। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने मानवता की सेवा की भावना को सर्वोपरि रखा है। सेवा करने का हमारा तरीका बिना किसी शर्त के और स्वार्थ से परे है और परमार्थ से प्रेरित है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इन्हीं विचारों से प्रेरणा लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चाहे वह प्रधानमंत्री आवास योजना हो, जल जीवन मिशन हो, आयुष्मान भारत योजना हो या अन्य ऐसी कल्याणकारी योजनाएं– ये सभी समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के प्रतिसेवा की भावना को दशार्ती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सभी को एक साथ आना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए, यही आचार्य विद्यानंद महाराज जी की प्रेरणा है और यही हमारा संकल्प है।

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में हो रहा सुधार, अस्पताल पहुंचे कई नेता

PHOTON NEWS RANCHI : दिशोम गुरु शिबू सोरेन का इलाज नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में चल रहा है। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस के अलावा कई अन्य दलों के नेता उनका हाल जानने के लिए शनिवार को दिल्ली पहुंचे। इनमें रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के संजय सेठ भी शामिल हैं। उन्होंने नई दिल्ली में सर गंगाराम अस्पताल जाकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। मुलाकात के बाद संजय सेठ ने बताया कि दिशोम गुरु के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। बहुत जल्द ही वो झारखंड को आशीर्वाद देने हम सबके बीच होंगे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी पहुंचीं : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि दिल्ली स्थित गंगाराम अस्पताल में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भेंट कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। ईश्वर से प्रार्थना है कि 'गुरुजी' शीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ हों।

कांग्रेस के नेता भी पहुंचे दिल्ली

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी दिल्ली पहुंचे और झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुलाकात करने वालों में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह शामिल थीं।

वृंदा करात ने जाना हाल

माकपा की वरिष्ठ नेता कामरेड वृंदा करात झामुमो के नेता शिबू सोरेन को देखने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने गुरुजी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और विश्वास जताया कि शिबू सोरेन जल्द स्वस्थ्य होकर झारखंड लौटेंगे।

राम मंदिर निर्माण कार्य जुलाई के अंत तक पूरा होने की संभावना : नृपेंद्र मिश्र

AYODHYA @ PTI : उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को बताया कि मंदिर निर्माण का कार्य अपने अंतिम चरण में है और निर्माण से संबंधित सभी प्रमुख कार्यों के जुलाई के अंत तक पूरा होने की संभावना है। मंदिर निर्माण समिति की बैठक में भाग लेने शनिवार को अयोध्या पहुंचे मिश्र ने संवाददाताओं को बताया कि मंदिर और उसके परकोटे के लिए 14 लाख घन फुट बंसी पहाड़पुर पत्थर की जरूरत थी, जिसमें से 13 लाख घन फुट पत्थर लग चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब केवल एक लाख घन फुट पत्थर ही लगने शेष हैं।

खिड़कियों में टाइटेनियम धातु का हो रहा इस्तेमाल

मिश्र ने कहा, भारत में पहली बार किसी मंदिर की खिड़कियों में टाइटेनियम धातु का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह अपने आप में अनूठी बात है। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि इस धातु की असाधारण मजबूती 1000 साल से भी ज्यादा समय तक टिकी रह सकती है। उन्होंने कहा, राम मंदिर निर्माण समिति को उम्मीद है कि जुलाई के अंत तक सभी बड़े निर्माण कार्य पूरे हो जाएंगे।

गाजा में इजरायली हमलों में कम से कम 34 लोगों की गई जान

NEW DELHI : गाजा में इजरायल की ओर से किए गए नए हमलों में कम से कम 34 लोगों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फलस्तीनियों को गाजा में बढ़ते मानवीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, संघर्ष विराम की संभावनाएं भी धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। इजरायल ने यह हमले शुक्रवार देर रात शुरू किए जो शनिवार सुबह तक जारी रहे। इन हमलों में गाजा सिटी के फलस्तीन स्टेडियम में 12 लोगों समेत कई की मौत हो गई। शिफा अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार इस स्टेडियम में विस्थापित लोगों को आश्रय दिया गया था।

छत्तीसगढ़ में 23 लाख के 13 इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर

- एक जनवरी 2025 से अब तक बीजापुर जिले में 270 नक्सली किए गए अरेस्ट
- **241 ने किया आत्मसमर्पण मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं 126 नक्सली**
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ट्वीट कर कहा, विकास की राह ही भविष्य का सही विकल्प

AGENCY BIJAPUR : शनिवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों के पश्चिम बस्तर डिविजन कमेटी में कंपनी नंबर 2 में सक्रिय 23 लाख के 13 इनामी नक्सलियों ने शनिवार को आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान बीजापुर रेंज के केंद्रीय रिजर्व पुलिस डीआइजी बीएस नेगी, बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव सहित सीआरपीएफ, कोबरा, एसटीएफ, डीआरजी और बस्तर फाइटर के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। आत्मसमर्पित 13 नक्सली पिछले कई सालों में बस्तर में हुई अलग-अलग वारदाता में कंपनी नंबर-2 की पार्टी सदस्य, एसीएम, केएएमएस अध्यक्ष सहित अन्य पीएलजीए, एलओएस सदस्य शामिल थे। आत्मसमर्पण करने वालों में नक्सलियों के कंपनी नंबर दो की पार्टी सदस्य देवे मुचाकी ऊर्फ प्रमिला पर 8 लाख, एरिया कमेटी सदस्य कोसा ओयाम ऊर्फ राजेन्द्र पर 5 लाख, कोसी पोड़ियाम पर 2 लाख तथा सम्मी सेमला, छोटू परसीक, मोती ताती, सुनीता हेमला, मंजुला कुंजाम, सायबो पोड़ियम और हुंगी उण्डम ऊर्फ राधा पर एक-एक लाख का इनाम घोषित है। इसके इनके अलावा मंगा मड़कम मिलिशिया प्लाटून सदस्य, बुधराम कोडमे मिलिशिया प्लाटून, जमली कोडमे केएएमएस सदस्य ने आत्मसमर्पण कर दिया है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि एक जनवरी, 2025 से अब तक बीजापुर जिले में 270 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं। इसके अलावा 241 ने आत्मसमर्पण किया और 126 मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

न्यू स्टडी वैज्ञानिकों के नए रिसर्च में सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

मौसम की गति के असर से बदल जाती है झीलों की आकृति

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : धरती, पहाड़, समुद्र, नदियां, झरने और झील मानव जीवन के लिए कुदरत के अनमोल उपहार हैं। इन सबसे मानव जीवन प्रभावित होता है और मानव जीवन की गतिविधियों से इन सभी पर प्रभाव पड़ता है। ये सभी जीवंत हैं और जलवायु में परिवर्तन पर इनकी संवेदनशील प्रतिक्रिया होती है। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि मौसम में परिवर्तन की गति का झीलों की आकृति पर प्रभाव पड़ता है। विशेषज्ञों ने बताया है कि ने झीलें केवल स्थिर जलराशि नहीं होतीं, बल्कि जीवंत और संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा हैं। मौसम के हर छोटे–बड़े बदलाव पर प्रतिक्रिया देती हैं। बांगोर यूनिवर्सिटी (ब्रिटेन) और चीन की सिंघुआ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि दुनिया की लगभग 60 प्रतिशत झीलों की सतह का आकार मौसमी बदलावों के अनुसार घटता–बढ़ता है। यह अध्ययन वर्ष 2001 से 2023 के बीच 14 लाख झीलों पर निगरानी के आधार पर तैयार किया गया है। वैज्ञानिकों ने उपग्रह आंकड़ों के माध्यम से झीलों की सतही संरचना पर बारीकी से नजर रखी।

बांगोर व सिंघुआ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लंबे समय तक किया अध्ययन

» एआई आधारित डीप लर्निंग व हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग का किया गया इस्तेमाल

» दुनिया की 14 लाख झीलों का कई स्तरों पर किया गया व्यापक विश्लेषण

» विश्व की लगभग 90 फीसद जनसंख्या इन्हीं क्षेत्रों में करती है निवास

» तकरीबन 60 प्रतिशत झीलों की सतह के आकार में पाया गया परिवर्तन

उपग्रह आंकड़ों के माध्यम से लेक्स की सतही संरचना पर बारीकी से रखी गई थी नजर

टेक्नोलॉजी ने रिजल्ट को बनाया सटीक

शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डीप लर्निंग और हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों का सहारा लिया गया। इससे यह विश्लेषण संभव हुआ कि वर्ष भर के मौसम सर्दी,गर्मी, बारिश और सूखा किस प्रकार झीलों के आकार को प्रभावित करते हैं। अध्ययन से पता चला कि विश्व की लगभग दो–तिहाई झीलें मौसमी परिवर्तनों के अनुसार अपनी सतह का विस्तार या संकुचन करती हैं। क्षेत्रफल के हिसाब से ये झीलें पूरी दुनिया के झीलों के कुल भू–भाग का 66 और संख्या के लिहाज से 60 फीसद हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व की लगभग 90 फीसद जनसंख्या इन्हीं क्षेत्रों में निवास करती है, जहां झीलें मौसम के अनुसार बदलती हैं।

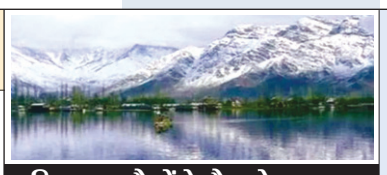

हानिकारक गैसों के फैलने का खतरा

वैज्ञानिकों ने बताया है कि झीलों के अचानक सिकुड़ने से तल में जमी गाद और तलछट सतह पर आ जाते हैं, जिससे मीथेन जैसी हानिकारक गैसों का वातावरण में फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यह स्थानीय जलवायु को प्रभावित करता है। झीलों की जैव विविधता खतरे में पड़ सकती है। बदलावों से झीलों की खाद्य श्रृंखला भी प्रभावित होती है। शैवालों की मात्रा में असंतुलन, जलीय जीवों के आवास में बदलाव और पौधों की संरचना में विचलन जैसे दुष्परिणाम देखने को मिलते हैं।

स्थानीय तापमान में असंतुलन का संकट

झीलों में आने वाले मौसमी उतार–चढ़ाव से जल संकट, कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव, मछली पालन में गिरावट और स्थानीय तापमान में असंतुलन जैसे संकट उत्पन्न हो सकते हैं। शोधकताओं ने इस बात पर बल दिया है कि मौसमी बदलावों की सटीक निगरानी और समझ ही झीलों के संरक्षण, ताजे जल के संसाधनों के सुव्यवस्थित प्रबंधन और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए अनिवार्य है। यह अध्ययन वैश्विक जलवायु नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सुप्रीमकोर्ट ने एनएसए के तहत हिरासत में रखे गए लॉ स्टूडेंट को रिहा करने का दिया ऑर्डर

- शीर्ष अदालत ने कहा, यह पूरी तरह अवैध, बाद में पारित किया जाएगा विस्तृत आदेश
- मध्य प्रदेश में अन्नू के खिलाफ हत्या के प्रयास व अन्य अपराधों को लेकर दर्ज की गई थी प्राथमिकी
- अन्नू की कथित तौर पर प्रोफेसर से हुई थी झड़प

NEW DELHI @ PTI : उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद एहतियाती हिरासत में लिए गए एक विधि छात्र अन्नू उर्फ अनिकेत को तुरंत रिहा करने का आदेश देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से अवैध है। न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मध्यप्रदेश के बैतूल के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 11 जुलाई, 2024 को पारित किए गए हिरासत आदेश में त्रुटि पाई तथा कहा कि वह इस मामले में विस्तृत और तर्कसंगत आदेश पारित करेगी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने 25 फरवरी को अन्नू के पिता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी थी। बैतूल में एक विश्वविद्यालय परिसर में हुए विवाद के बाद पुलिस ने अन्नू पर मामला दर्ज किया था। याचिकाकर्ता अन्नू की कथित तौर पर प्रोफेसर से झड़प हुई थी। अन्नू के खिलाफ हत्या के प्रयास और अन्य संबंधित अपराधों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जेल में जब अन्नू था तब उसके खिलाफ एनएसए के प्रावधानों के तहत हिरासत आदेश जारी किया गया था। बाद में इस आदेश की पुष्टि की गई और तब से हर तीन महीने में इसे बढ़ाया जाता रहा है। शीर्ष अदालत की पीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में कहा, 11 जुलाई, 2024 के पहले हिरासत आदेश के अवलोकन के बाद, हमने पाया है कि अपीलकर्ता को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा तीन (दो) के तहत एहतियाती हिरासत में लिया गया है।

कोणार्क : सूर्य, समुद्र व संस्कृति का त्रिकोण

घुमक्कड़ की पाती

लगभग ढाई घंटे की उड़ान के बाद भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही उड़ीसा की मिट्टी की सौंधी खुशबू ने मेरा स्वागत किया। वहां से कोणार्क तक की सड़क यात्रा, जो लगभग 65 किलोमीटर की थी, मैंने एक निजी टैक्सी से तय की जो कि बहुत ही मजेदार थी। हरे-भरे खेतों, छोटे-छोटे गांवों और नारियल के पेड़ों के बीच से गुजरते हुए मैंने महसूस किया कि यह यात्रा केवल गंतव्य तक नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर भी एक खोज है। कोणार्क पहुंचते ही मेरी नजर सबसे पहले सूर्य मंदिर पर पड़ी जो यूनेस्को द्वारा प्रमाणित विश्व धरोहर स्थल है। यह 13वीं सदी का मंदिर, जो राजा नरसिंहदेव प्रथम द्वारा बनवाया गया एक विशाल रथ के रूप में खड़ा है। इसके 12 जोड़ी पहिए और सात घोड़े सूर्य देवता की गति को प्रतिबिंबित करते हैं। मंदिर की नक्काशी इतनी बारीक और जीवंत है कि पत्थरों में प्राण बस गए हों। कामुक मूर्तियां, नृत्य करती अप्सराएं और सूर्य की किरणों के साथ बदलते रंगों का नजारा मन को मंत्रमुग्ध कर देता है। मैंने सुबह की पहली किरणों के साथ मंदिर में प्रवेश किया, जब सूर्य की रोशनी मंदिर को स्वर्णिम आभा से नहला देती है।

सूरज की पहली किरणों ने जब दिल्ली की धुंधली सुबह को चूमा, तब मैंने अपनी यात्रा शुरू की। एक ऐसी यात्रा, जो मुझे भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गहराइयों में ले जाने वाली थी। मंजिल थी कोणार्क, ओडिशा (उड़ीसा) का वह रत्न, जहां सूर्य का रथ समय के साथ थम गया है। यह यात्रा न केवल मीलों की दूरी तय करने की थी, बल्कि इतिहास, कला और आत्मा की गहराइयों को छूने की थी। मैंने अपनी यात्रा की शुरूआत दिल्ली से भुवनेश्वर के लिए उड़ान भरकर की। सुबह की नई दिल्ली हवाई अड्डे की भागदौड़ के बीच मैंने अपने मन को शांत रखा, क्योंकि मुझे पता था कि कोणार्क की शांति मेरे इंतजार में है।

लगभग ढाई घंटे की उड़ान के बाद भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही उड़ीसा की मिट्टी की सौंधी खुशबू ने मेरा स्वागत किया। वहां से कोणार्क तक की सड़क यात्रा, जो लगभग 65 किलोमीटर की थी, मैंने एक निजी टैक्सी से तय की जो कि बहुत ही मजेदार थी। हरे-भरे खेतों, छोटे-छोटे गांवों और नारियल के पेड़ों के बीच से गुजरते हुए मैंने महसूस किया कि यह यात्रा केवल गंतव्य तक नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर भी एक खोज है।

कोणार्क पहुंचते ही मेरी नजर सबसे पहले सूर्य मंदिर पर पड़ी जो यूनेस्को द्वारा प्रमाणित विश्व धरोहर स्थल है। यह 13वीं सदी का मंदिर, जो राजा नरसिंहदेव प्रथम द्वारा बनवाया गया एक विशाल रथ के रूप में खड़ा है। इसके 12 जोड़ी पहिए और सात घोड़े सूर्य देवता की गति को प्रतिबिंबित करते हैं। मंदिर की नक्काशी इतनी बारीक और जीवंत है कि पत्थरों में प्राण बस गए हों। कामुक मूर्तियां, नृत्य करती अप्सराएं और सूर्य की किरणों के साथ बदलते रंगों का नजारा मन को मंत्रमुग्ध कर देता है। मैंने सुबह की पहली किरणों के साथ मंदिर में प्रवेश किया, जब सूर्य की रोशनी मंदिर को स्वर्णिम आभा से नहला देती है।

मंदिर के परिसर में एक छोटा सा संग्रहालय भी है, जहां प्राचीन मूर्तियां और मंदिर के इतिहास से संबंधित जानकारी प्रदर्शित है। मैंने वहां कुछ समय बिताया, यह समझने की कोशिश की कि कैसे इस मंदिर ने समय की मार को सहते हुए भी अपनी भव्यता को बचाकर रखा है।

कोणार्क का आकर्षण केवल सूर्य मंदिर तक सीमित नहीं है। मैंने चंद्रभागा बीच का भी अवलोकन किया, जो मंदिर से कुछ ही किलोमीटर दूर है। समुद्र की लहरों का संगीत और सूर्यास्त का नजारा, आत्मा को शांति देता है। यह समुद्रतट तीर्थयात्रियों और पर्यटकों, दोनों के लिए एक शांतिपूर्ण स्थल है। मैंने वहां कुछ समय ध्यान करते हुए बिताया, लहरों की शोर के बीच अपने विचारों को समेटते हुए। इसके बाद, मैंने रामचंडी मंदिर की ओर रुख किया, जो कोणार्क से लगभग 10 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर मां रामचंडी को समर्पित है और स्थानीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र है। मंदिर का शांत वातावरण और नदी के किनारे का सुंदर दृश्य मन को सुकून देता है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

मन को भाते ओड़िया व्यंजन

कोणार्क में भोजन का अनुभव भी उतना ही समृद्ध है, जितना इसकी संस्कृति। मैंने स्थानीय रेस्तरां सूर्य उदय में ओड़िया थाली का आनंद लिया, जिसमें दालमा (दाल और सब्जियों का मिश्रण), बादी चुरा (तले हुए उड़द दाल के टुकड़े) और चिंगुड़ी मालाई करी (झींगा करी) शामिल थी। मिठाई के लिए, मैंने रसबली का स्वाद लिया, जो छेना से बनी एक स्वादिष्ट मिठाई है, जिसे दूध और केसर की चाशनी में डुबोया जाता है। कोणार्क के समुद्रतट के पास कई छोटे ढाबे भी हैं, जहां ताजा मछली और समुद्री भोजन (सी-फूड) परोसा जाता है। मैंने एक स्थानीय ढाबे में भुनी हुई मछली खाई, जिसका स्वाद अभी भी मेरे जिह्वा पर बरकरार है। यदि आप शाकाहारी हैं तो कोणार्क में कई रेस्तरां जैसे कमलाबाई में शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध है। यहां की खिचड़ी और साग-सब्जी की थाली सादगी और स्वाद का अनूठा संगम है।

सूर्यास्त का नजारा आनंददायक

ठहरने के लिए कई विकल्प
कोणार्क में ठहरने के लिए कई विकल्प हैं जो हर बजट के लिए उपयुक्त हैं। मैंने लोटस इको रिसॉर्ट में रुकने का फैसला किया, जो समुद्र तट के पास स्थित है। यह रिसॉर्ट पर्यावरण के अनुकूल है और स्थानीय संस्कृति को दर्शाता है। कमरों से समुद्र का नजारा और सुबह की शांत हवा मन को तरोताजा कर देती है। इसके अलावा, यात्री निवास और पन्थनिवास कोणार्क जैसे सरकारी गेस्ट हाउस भी आरामदायक और किफायती हैं। यदि आप लक्जरी की तलाश में हैं, तो भुवनेश्वर में मेफेयर लगून जैसे होटल एक शानदार अनुभव प्रदान करते हैं, हालांकि इसके लिए आपको कोणार्क से भुवनेश्वर की यात्रा करनी होगी। कोणार्क की मेरी यात्रा केवल स्थानों का भ्रमण नहीं था, बल्कि यह एक आंतरिक यात्रा थी। सूर्य मंदिर की भव्यता ने मुझे कला और इतिहास की गहराई में ले जाया, चंद्रभागा बीच ने मुझे प्रकृति के साथ एकाकार होने का मौका दिया और स्थानीय भोजन ने मेरे तन-मन को तृप्त किया। कोणार्क की सड़कों पर चलते हुए मैंने स्थानीय लोगों की गर्मजोशी और उनकी सादगी को महसूस किया। यह यात्रा मुझे दिल्ली की भागदौड़ से निकालकर एक ऐसी दुनिया में ले गई, जहां समय धीमा पड़ता है और आत्मा को सुकून मिलता है। जब मैंने वापसी की उड़ान पकड़ी तो मेरे मन में कोणार्क की यादें और सूर्य मंदिर की वह स्वर्णिम आभा बसी थी। यह यात्रा मेरे लिए एक साहित्यिक तीर्थयात्रा बन गई, जहां मैंने न केवल एक स्थान को खोजा, बल्कि अपने भीतर की शांति और प्रेरणा को भी पाया।

अक्टूबर से मार्च के बीच जाएं

अक्टूबर से मार्च के बीच जाएं
इस जगह पर यदि आप भी आना चाहते हैं, तो यात्रा का समय अक्टूबर से मार्च तक का सबसे उपयुक्त माना जाता है। इस दौरान मौसम सुहावना होता है। दिल्ली से भुवनेश्वर तक उड़ान और फिर टैक्सी या बस से कोणार्क पहुंचा जा सकता है। सूर्य मंदिर के लिए गाइड लेना उचित है जो मंदिर की कहानियों को जीवंत कर देगा। सूर्यास्त के समय चंद्रभागा बीच जरूर जाएं और स्थानीय भोजन का स्वाद लेना न भूलें। यह यात्रा मेरे लिए एक काव्य थी जिसमें सूर्य, समुद्र और संस्कृति ने मिलकर एक अविस्मरणीय राग रचा। कोणार्क, तुम मेरे दिल में बसे हो।

■ पुस्तक-चर्चा

साहित्य के भीष्म पितामह : डॉ. सत्यदेव ओझा

पद्मा मिश्र

डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कहा था 'साहित्यकार उस पीयूषवर्षी मेघ के सामान होते हैं, जो ज्ञान की अमृतमयी बूंदों से पूरे समाज को आप्लावित कर जाते हैं, जिसमें समाज-कल्याण का भाव अन्तर्निहित होता है'... इन पंक्तियों ने मुझे जीवन का अनमोल मंत्र ही दे दिया था। ऐसे ही साहित्यकारों की कृतियाँ कालजयी बन, अमर हो जाती हैं-- वर्ष भर पढ़ी जाने वाली साहित्यिक पुस्तकों में एक पुस्तक ने मेरा ध्यान आकृष्ट किया, जिसका नाम था 'विनोबा -मैं-और तुम'। लेखक थे डॉ. सत्यदेव ओझा। इस पुस्तक के विमोचन समारोह में भी शामिल हुई थी, परन्तु कभी यह नहीं सोचा था कि यह अमर कृति मुझे मिल पाएगी, लेकिन स्वयं डॉ. सत्यदेव ओझा ने सस्नेह मुझे यह पुस्तक उपहार स्वरूप दी और मुझे अपार संभावनाओं का साहित्यकार बताते हुए आशीर्वाद भी दिया। मैं चकित थी कि क्या सचमुच रचना में रचनाकार का व्यक्तित्व समाहित होता है?, मैंने पढ़ना प्रारम्भ किया, तो पढ़ती चली गई -एक अद्भुत सम्मोहन, आतंरिक-आध्यात्मिक सुख की अनुभूति। सब कुछ वर्णनातीत था, विनोबा जी के साथ बिताए गए अनमोल पलों में जीवन के अनेक गूढ़ रहस्यों के विशद विवेचन के साथ साथ, कितने सुलझे-अनसुलझे प्रश्नों के उत्तर ० उनके समाधान सहज भाव से मिलते चले जाते हैं, मानों विधाता की सृष्टि के नए आयाम खुल रहे हों... जिनका माध्यम बने थे, एक पिता के द्वारा लिखे गए अपने पुत्र के नाम कुछ पत्र - आचार्य विनोबा के साथ बिताए समय के अनुभवों और गीता के आध्यात्मिक ज्ञान के कई रहस्यों को बड़े ही सरल ढंग से लिखे पत्रों में उनके छोटे पुत्र संतोष की जिज्ञासा भी है और पिता द्वारा अपने पुत्र को शिष्यवत ज्ञान की बातें समझाना भी -मैं अभिभूत थी... जहा कहीं उलझनें आतीं, वहां चित्रों के माध्यम से समाधान मिल जाता है। पंडित ज्ञानेश्वर की पंक्तियों की सुन्दर व्याख्या करते हुए लेखक ने बताया है कि वाणी की शक्ति कैसी होनी चाहिए, मन को छू जाती है, 'साँच आणि मवाल-मितले आणि रसाल'। वाणी सत्य हो, मृदुल हो, परिमित हो, रसीली हो जैसे अमृत की लहर, संदेह तोड़ने वाली हो, जैसे तीक्ष्ण लौह, फिर भी मधुर हो'।

वस्तुतः सारा कार्य-व्यापार तो वाणी का ही है, इस संसार में व्यक्ति की वाणी ही उसे कभी शिखर पर आसीन कराती है, तो कभी पददलित भी, राग, लोभ, द्वेष, मोह, प्रेम, प्रीति, घृणा... जैसी संवेदनाओं के प्रकटीकरण का एकमात्र माध्यम भी वाणी ही है, फिर क्यों न वाणी की मधुरता को जीवन का एक अभिन्न अंग ही बना लें!

पत्र संख्या-4 में भाई संतोष के प्रश्न का उत्तर हुए विनोबा जी के माध्यम से लेखक ने कहा है - 'जो मंद विद्यार्थी होता है, वह आगे चलकर योग्य गुरु बनता है', इन पंक्तियों के माध्यम से ओझा जी ने व्याख्या की है-कि मंद विद्यार्थी अपने अध्ययन के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों को सहज ही समझता हैं, अतः विद्यार्थी के मन को अच्छी तरह ज्ञान की गूढ़ बातें समझा सकता है, पंक्तियाँ नई प्रेरणा दे गईं। इसी प्रकार पत्र संख्या 7 में वर्णित पंक्तियाँ दिग्भ्रमित मन को नई दिशा-नई राह दिखा सकती हैं, 'हमें दूसरों के गुण देखने चाहिए और गुणों के माध्यम से व्यक्ति के अंतर्मन में प्रवेश करना चाहिए' - आदरणीया उषा बहन के पत्रों ने तो इस पुस्तक में चार चाँद लगा दिए हैं, बिनोबा जी जैसे संत सचमुच अमृतवर्षी मेघ के समान हैं जो निस्वार्थ भाव से ज्ञान के अमृत से समाज को उपकृत कर जाते हैं, पत्र संख्या 10 में पूछे गए एक प्रश्न- 'जीवन में शांति कैसे प्राप्त किया जाये? के उत्तर में जब विनोबा जी कहा - 'त्यागात शान्तिः' तब ओझा जी उसकी सुंदर व्याख्या करते हुए कहते हैं- 'यह गीता मंत्र है, फल त्याग से शांति प्राप्ति होती है, अपने को कर्म से अलग करना, क्योंकि कर्म कराने वाला समाज ही है', अपनी अल्प बुद्धि से जो कुछ मैंने जाना-सीखा और समझा, वह ज्ञान आजीवन मेरे हृदय में रहेगा, पुस्तक संग्रहणीय एवं पठनीय है...

साहित्य के भीष्म पितामह - स्मृति शेष आदरणीय डॉ. ओझा जी को मेरा शतशः प्रणाम -नमन।

विवेक कुमार शुक्ल
आरहुस विश्विद्यालय
डेनमार्क

विदा

तुम्हारी निशानियाँ एक एक कर के विदा लेने लगी है निम्मी
उन जाड़ों में जो दस्तानें तुमने मेरे
लिए खरीदे थे
उनकी सिलाई अब उधड़ने लगी है
उनकी गरमाई अब विदा होने लगी है
हमारे प्रेम की निशानियों की तरह
तुम्हारा दिया झोला
अब बूढ़ा हो गया है
और सुस्ता रहा है मेरे घर के तहखाने में
फेसबुक स्मृति में
अब नहीं दिखती हमारी तस्वीरें
तुम्हारे नाम लिखे मेरे संदेश
तुम्हें भेजे चुम्बन
हमने कभी दुनिया को बताया था कि
हम प्रेम में हैं
वो निशानियाँ गायब होने लगी है
तुम्हारे शरीर के तिलों की तरह
निम्मी हमें मिलना चाहिए एक बार
उन निशानियों को विदा कहने
जो अब तक साथ थी हमारे
कि भटकती है जो प्रेतों की तरह
अंत्येष्टि की प्रतीक्षा में

स्वास्थ्य विभाग से रिम्स को मिले 351 करोड़ रुपये, क्या अब सुधरेगी व्यवस्था

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स की व्यवस्था सुधारने को लेकर हर साल स्वास्थ्य विभाग करोड़ों रुपये खर्च करता है। इसके बावजूद मरीजों को अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। अब स्वास्थ्य विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिम्स 3,51,13,11,000 रुपये की राशि स्थापना व्यय मद में सहायता अनुदान के रूप में स्वीकृत की है। यह राशि संस्थान के संचालन, कार्मिक व्यय और आधारभूत ढांचे की आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से आवंटित की गई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इतनी राशि मिलने के बाद हॉस्पिटल की व्यवस्था में सुधार आएगा। क्या मरीजों को इसका लाभ मिल पाएगा। रिम्स को दिए गए इस आवंटन का उद्देश्य रिम्स में मरीजों की देखभाल की सेवाओं को गुणवत्तायुक्त बनाए रखना है। इसके अलावा मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च को भी बेहतर बनाना है। जिससे कि इस संस्थान की बेहतर छवि बने। राज्य सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि इस अनुदान का उपयोग पारदर्शी और प्रभावी ढंग से किया जाए। इसके अलावा विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि इसका व्यय प्रतिवेदन विधिवत रूप से विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

● सरकार ने अनुदान का उपयोग पारदर्शी और प्रभावी ढंग से करने का दिया निर्देश

● मरीजों की देखभाल की सेवाओं को गुणवत्तायुक्त बनाए रखना है आवंटन का उद्देश्य

पिछले साल मिले थे 465 करोड़

रिम्स को पिछले साल स्वास्थ्य विभाग की ओर से 465 करोड़ रुपये मिले थे। विभाग की ओर से बताया गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिम्स को कुल 4,65,00,00,000 की सहायता अनुदान राशि प्रदान की गई थी, जिसमें से 2,17,85,12,912 की राशि पूर्व से अवशेष थी। इस प्रकार कुल उपलब्ध राशि 6,82,85,12,912 रही, जिसके विरुद्ध 4,36,40,24,556 राशि का उपयोग किया गया।

दूसरे राज्यों के मरीज आते हैं इलाज कराने

रिम्स राज्य का प्रमुख मेडिकल संस्थान है, जहां झारखंड के अलावा बिहार, ओडिशा, बंगाल व आसपास के राज्यों के हजारों मरीज इलाज कराने के लिए आते है। इलाज के अलावा मरीजों को दवाएं और अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि हॉस्पिटल के ओपीडी में हर दिन लगभग 1700 मरीज इलाज के लिए आते है। वहीं ओपीडी में 300 के करीब मरीज इलाज को पहुंचते है। इनडोर में भी हमेशा 1500 से ज्यादा मरीज इलाज के लिए भर्ती रहते है।

कॉटन, सिरिंज भी खरीद कर लाते हैं मरीज

सालाना करोड़ों रुपये के बजट वाले इस हॉस्पिटल में दवा और अन्य जरूरी सामग्री की खरीदारी पर भी करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा प्रबंधन करता है। साथ ही ये भी दावे किए जाते है कि दवाओं का भरपूर स्टॉक है। इसके बावजूद मरीजों के परिजनों से सिरिंज और कॉटन तक मंगाए जाते है। इसके अलावा इंप्लांट व अन्य सामान के लिए भी मरीजों को प्राइवेट मेडिकल स्टोर की दौड़ लगानी पड़ती है।

डिस्पेंसरी में दवाओं का टोटा

हॉस्पिटल में लंबे समय से डिसपेंसरी का संचालन हो रहा है। वहां पर दवाएं मरीजों को मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके लिए फार्मासिस्ट व अन्य स्टाफ तैनात है। इसके बावजूद दो दर्जन दवाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। अब सवाल ये उठता है कि इतना बड़ा बजट होने के बावजूद मरीजों को दवाएं फ्री में क्यों उपलब्ध नहीं कराई जाती।

BRIEF NEWS

पिठोरिया में 7 जुलाई को निकाला जाएगा मुहर्रम का जुलूस

RANCHI : पिठोरिया सेंट्रल मुहर्रम कमेटी की बैठक में निर्णय लिया गया कि 6 जुलाई को पिठोरिया चौक मे रस्मे पगड़ी का आयोजन किया जाएगा. जिसमे समाज के बुद्धिजीवी, समाजसेवियों और क्षेत्र के तमाम अखाड़ों के सदर को सम्मानित किया जाएगा। 7 जुलाई को शांतिपूर्ण तरिके से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा। सेंट्रल मुहर्रम कमेटी पिठोरिया के सदर सुभान अंसारी ने बताया कि सेंट्रल मुहर्रम कमेटी पिठोरिया के तत्वाधान में पिठोरिया क्षेत्र के आसपास के तमाम गावों पिरुटोला, नयाटोली, भागलपुर, कोनकी, बाडू, मदनपुर, कोकदोरो, बालू, सेमरटोली के अखाड़ा जुलुस मे शामिल होते हैं। बैठक मे मुख्य रूप से कमेटी के सदर सुभान अंसारी, पिठोरिया अंजुमन के सदर सज्जाद खलीफा शामिल थे।

इंसानियत बचाने का नाम है मुहर्रम : मौलाना तहजीबुल हसन

RANCHI : मस्जिद जाफरिया रांची में मजलिस जिक्र शहीदाने करबला की दूसरी मजलिस को ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन व मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने संबोधित किया। कहा कि हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी हुकूमत बचाने के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत और हक को बचाने के लिए है। इमामे हुसैन की कुर्बानी से यह सबक मिलता है की सच्चाई और हक के रास्ते पर चलकर जान की बाजी लगाना बहादुरी का काम है। इमामे हुसैन ने जमीन को खरीद कर जमाने को यह पैगाम (संदेश) दिया कि दूसरों की जायदाद, जमीन पर जबरन कब्जा करना बुजदिली है।

शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना की मनाई गई 10वीं वर्षगांठ

रांची शहर में 10 सालों में 11 हजार लोगों को मिला अपना आशियाना

» पीएमएवाई योजना की शुरुआत से लेकर अबतक 11052 आवासों का हुआ निर्माण

» जनवरी से जून तक 183 लोगों का आवास निर्माण हुआ पूरा

» 5 नवनिर्मित आवासों में लाभुकों का कराया गया गृह प्रवेश

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की 10वीं वर्षगांठ मनाई। इस दौरान विविध कार्यक्रमों के माध्यम से इस ऐतिहासिक योजना का उत्सव मनाया गया। यह आयोजन निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 7, 10, 19 और धुर्वा स्थित निर्मल आवास में लाभार्थियों के बीच कई एक्टिविटी कराई गई। इतना ही नहीं लोगों को सरकार की योजनाओं से भी अवगत कराया गया। बता दें कि पीएमएवाई शहरी योजना की 2015 में शुरूआत के बाद से अबतक रांची नगर निगम क्षेत्र में 11 हजार 52 लोगों को अपना आशियाना मिला है।

कार्यक्रम का उदेश्य न केवल योजना की अब तक की उपलब्धियों को दशार्ना था, बल्कि इससे लाभान्वित हुए परिवारों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा करना भी था। रांची नगर निगम द्वारा इस योजना के अंतर्गत हजारों शहरी परिवारों को सुरक्षित, स्वच्छ और स्थायी आवास प्रदान किया गया है, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्राप्त हुआ है। वहीं लाभुकों ने बताया कि कैसे एक घर के बन जाने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस दौरान लाभुकों ने गृहप्रवेश समारोह, पौधारोपण अभियान भी चलाया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी व लाभुक ● फोटोन न्यूज

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार द्वारा अब प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की शुरूआत की गई है। जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्र के सभी बेघर और वंचित परिवारों को आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थी योजना का लाभ लेने के लिए रांची नगर निगम कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

चार किस्तों में मिल रही राशि

2015 में पीएमएवाई शहरी योजना की शुरूआत हुई थी। उस समय लाभुकों को इसकी जानकारी कम थी। नगर निगम ने इसके लिए अभियान चलाया। लोगों को जागरूक किया। साथ ही उन्हें बताया कि पीएमएवाई के तहत लाभुकों को सवा दो लाख रुपये चार किश्तों में दिए जाएंगे। जिसमें लाभुकों को एक रुपये भी लौटाना नहीं है।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में सहायक प्रशासक चन्द्रदीप कुमार, निहारिका तिर्की और पीएमएवाई शाखा के कर्मचारी भी मौजूद थे।

संशोधित वक्फ कानून गरीब मुसलमानों के हित में : जफर

» प्रदेश कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

» कांग्रेस पर साधा निशाना, मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझने का लगाया आरोप

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व राज्यसभा संसद जफर इस्लाम ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास में विश्वास करती है। भाजपा किसी का तुष्टीकरण नहीं करती, जो जरूरतमंद हैं, उन तक योजनाओं का लाभ पहुंचे यह मोदी सरकार की सोच है। आज केंद्र सरकार की योजनाएं बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 60 वर्षों तक अपने शासन काल में मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझा और आज भी ऐसा ही समझ रही। लेकिन, आज समाज जाग चुका है। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह मौजूद थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब मुस्लिम समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना चाहते हैं। इसलिए धार्मिक मामलों में बिना हस्तक्षेप किये समाज के हित में कानून बनाए जा रहे। साथ ही कहा कि वक्फ संशोधित कानून में धार्मिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया है। केवल कानून के दुरुपयोग को रोकने की दिशा में संशोधन किए गए है, जिससे करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ में मुस्लिम समाज के लोग गरीबों के कल्याण के लिए दान देते हैं। लेकिन चंद लोग उसपर मनमानी करते हुए उसका या तो निजी उपयोग करते हैं, यह फिर औने-पौने दाम में करोड़ों की संपत्ति को लीज में दे देते है। जिसके कारण जो लाभ समाज को मिलना चाहिए वह नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि जितनी संपत्ति वक्फ के पास है उससे करोड़ों गरीब मुसलमानों तक स्कूल, अस्पताल, यूनिवर्सिटी, कॉलेज की सुविधा पहुंचाई जा सकती है। वक्फ संपत्ति के प्रबंधन में गैर मुस्लिम को शामिल किया गया, जो बिल्कुल सही है।

इमरान प्रतापगढ़ी की आलोचना

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी भले शायरी के माध्यम से शब्दों का खेल खेल सकते हैं। लेकिन, संशोधित वक्फ कानून का विरोध कर मुस्लिम समाज का भला नहीं कर सकते। कांग्रेस पार्टी के दुष्प्रचार और विरोध के बावजूद यह संसद के दोनों सदनों में लोकतांत्रिक तरीके से पारित और महामहिम राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से बना हुआ कानून है। गरीब मुस्लिम समाज के चेहरों पर मुस्कान लाने वाला है। कांग्रेस पार्टी को लोगों को गुमराह करने से बाज आना चाहिए।

मुहर्रम को लेकर डेली मार्केट थाना में हुई शांति समिति की मीटिंग

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को डेली मार्केट थाना में शनिवार को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इसमें लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम मनाने का निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए थाना प्रभारी जयप्रकाश राणा ने लोगों से शांति व सौहार्द्र से मुहर्रम मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रांची में हमेशा सभी धर्मों के लोग भाइचारे के साथ सभी त्योहार को मनाते हैं। उसे बरकरार रखने की जरूरत है। कहा कि सरकार की गाइडलाइन का पालन करना है। राणा ने कहा कि पर्व-त्योहार में अफवाहों से दूर रहें, भाईचारे के साथ त्योहार मनायें। मुहर्रम के मौके पर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था रहेगी। यदि कोई असामाजिक तत्वों द्वारा त्योहार में खलल डालने का प्रयास किया, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. किसी भी गड़बड़ी की आशंका हो, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। आए हुए सभी लोगों ने अपनी अपनी बात रखी। रूट, झंडा, मिलन, बिजली, सड़क सभी बात रखी। बैठक में थाना के सब इंस्पेक्टर परवीन कुमार, राजीव रंजन मिश्रा, अकीलुर्रहमान, मो इस्लाम, सागर वर्मा, मो आफताब आलम, महबूब रिजवी, आदिल जहीर, जितेंद्र गुप्ता आदि मौजूद थे।

मंत्री संजय यादव ने शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर की मां दुर्गा से प्रार्थना

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड आंदोलन के प्रणेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर मंत्री संजय प्रसाद यादव ने चिंता जताई है। कहा कि गुरुजी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के अभिभावक हैं। उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं होना पूरे राज्य के लिए चिंता का विषय है। इसलिए हर सुबह वह मां दुर्गा भवानी से प्रार्थना कर रहे हैं कि गुरूजी शिबू सोरेन जल्द ठीक हो जाएं। मंत्री संजय यादव शनिवार को खास बातचीत के दौरान में बोल रहे थे। बताया कि कैसे वह रोजाना सुबहझसुबह मां दुर्गा से प्रार्थना करते हैं कि हमारे अभिभावक, पथप्रदर्शक, गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर झारखंड लौटें। एक बार फिर जनता की सेवा में लगें। वर्तमान में गुरुजी की अस्वस्थता चिंता का विषय है, लेकिन पूरा राज्य आशा कर रहा है कि वह जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगे। झारखंड एक बार फिर उनका मार्गदर्शन पाएगा। मंत्री ने दिल्ली में शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति को सराहा। कहा कि हेमंत सोरेन एक बेटे के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरी तरह निभा रहे हैं। व्यस्तताओं के बावजूद, वे अपनी धर्मपत्नी कल्पना सोरेन के साथ अस्पताल में डटे हुए हैं।

मांगी जा रही विशेष दुआ

RANCHI : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए शनिवार को मस्जिदों में विशेष दुआ का आयोजन किया गया। साथ ही अन्य जगहों पर दुआ करने का आह्वान किया गया है। कांग्रेस के पूर्व सांसद फुरकान अंसारी की अपील पर यह आयोजन हो रहा है। फुरकान अंसारी ने इस सम्बंध में प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि हजारों लोग मस्जिदों में नमाज के बाद विशेष दुआ में शिरकत कर गुरुजी की सलामती की दुआ मांग रहे है। अंसारी ने कहा कि शिबू सोरेन सिर्फ नेता नहीं बल्कि झारखंड की आत्मा हैं। उन्होंने हमेशा शोषितों और वंचितों की आवाज को बुलंदी दी है। आज जब वे अस्वस्थ हैं तो हम सबका कर्तव्य बनता है कि उनके ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। हमारी दुआएं उनके साथ हैं।

राज्य सरकार और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत ने युवाओं के सपनों को कुचल दिया : बाबूलाल

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा है कि राज्य सरकार और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत ने झारखंड के नौकरी की आस लगाए बैठे हजारों युवाओं के सपनों को कुचल कर रख दिया है। एक ओर जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा परिणाम पर उच्च न्यायालय की रोक अब तक जारी है, और सीआईडी हर बार अधूरी जांच का बहाना बनाकर समय को घसीटती जा रही है। दूसरी ओर, सरकार ने जिस परीक्षा कैलेंडर को बड़े दावे के साथ जारी किया था, उस पर अमल करने की जिम्मेदारी निभाने में अधिकारी पूरी तरह नाकाम रहे हैं। हर बीतता दिन युवाओं की उम्मीदों को कमजोर कर रहा है, लेकिन बीते साढ़े पांच साल तो मानो उनके भविष्य पर एक भारी बोझ बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता का परिचय दे और जल्द से जल्द बहाली की प्रक्रिया शुरू करे।

इंचैम हनोई के आमंत्रण पर अंतरराष्ट्रीय दौरे पर वियतनाम पहुंचा चैंबर का विशेष प्रतिनिधिमंडल

झारखंड और वियतनाम के बीच व्यापार के खुले नए द्वार

PHOTON NEWS RANCHI : अंतराष्ट्रीय दौरे में शामिल फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का विशेष प्रतिनिधिमंडल शनिवार को वियतनाम के हनोई में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन वियतनाम, हनोई (इंचैम हनोई) के आमंत्रण पर पहुंचा। बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों संगठनों के बीच व्यापारिक सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और औद्योगिक निवेश की संभावनाओं को सुदृढ़ करना था। उल्लेखनीय है कि इंचैम हनोई वियतनाम में भारतीय व्यापारिक समुदाय का प्रतिनिधित्व करनेवाला प्रमुख संगठन है। इसका उद्देश्य भारत और वियतनाम के बीच व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह संस्था भारतीय दूतावास के सहयोग से व्यापारिक गतिविधियां, नेटवर्किंग इवेंट्स और द्विपक्षीय कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने में अहम भूमिका निभा रही है।

दीर्घकालिक सहयोग की नींव : इस अवसर पर झारखंड चैंबर और इंचैम हनोई के बीच एक औपचारिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया जिसका उद्देश्य झारखंड और वियतनाम के व्यापारिक समुदाय के बीच दीर्घकालिक सहयोग की नींव रखना है। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि झारखंड चैंबर और इंचैम हनोई के बीच हुआ यह समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि दोनों देशों के लघु, मध्यम और स्टार्टअप उद्यमों को वैश्विक अवसरों तक पहुंच प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आनेवाले वर्षों में वियतनाम के साथ झारखंड के व्यापारिक संबंध और अधिक मजबूत होंगे। इससे राज्य के उद्यमियों को नए अवसर मिलेंगे। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी के नेतृत्व में इंचैम हनोई के साथ हुई वार्ता में झारखंड चेंबर के महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, शैलेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा, रंजीत गाड़ोदिया और सदस्य मनोज मिश्रा शामिल थे। एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर इंचैम हनोई की ओर से चेयरमैन नवेंदु कुमार, वाइस चेयरमैन चैतन्य रेड्डी, जनरल सेक्रेटरी प्रभज्योत शर्मा और अन्य सदस्य मौजूद थे।

भारत और वियतनाम में संबंधों का यह नया अध्याय शुरू

चेंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि यह पहल झारखंड को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह समझौता दोनों संगठनों को व्यापारिक मेल, निवेश सम्मेलनों, प्रतिनिधिमंडल यात्रा, तकनीकी सहयोग, स्टार्टअप एक्सचेंज और सांस्कृतिक साझेदारी जैसे विविध क्षेत्रों में साथ मिलकर कार्य करने की दिशा में प्रतिबद्ध करता है। इंचैम हनोई के चेयरमैन नवेंदु कुमार ने झारखंड के साथ सहयोग को लेकर गहरी रुचि और उत्साह प्रकट करते हुए कहा कि भारत और वियतनाम के बीच संबंधों का यह नया अध्याय व्यापार और सांस्कृतिक समृद्धि की नई मिसाल बनेगा।

अंतराष्ट्रीय दौरे में शामिल विशेष प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ● फोटोन न्यूज

पित्त की नली में था स्टोन, एडवांस्ड इंडोस्कोपी से किया गया ऑपरेशन

PHOTON NEWS RANCHI : सदर हॉस्पिटल में पहली बार एडवांस इंडोस्कोपी पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका नेतृत्व सदर में कंसल्टेंट गैस्ट्रो सर्जन डॉ जयंत घोष ने किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में इस तरह का पहला वर्कशॉप हम लोगों ने आर्गनाइज किया है। इसमें देश के जाने माने गैस्ट्रो सर्जन जुटे। हमलोगों ने कई मरीजों के पित्त की नली में स्टोन को तोड़कर बाहर निकाला। इसके लिए पित्त की नली में दूरबीन डालकर लेजर की मदद से स्टोन को तोड़ दिया गया। इसके बाद उसे बाहर निकाल दिया गया। इस तकनीक को स्पाई ग्लास विद कोलेंजियोस्कोपी कहते हैं। उन्होंने कहा कि हमलोग झारखंड में इस तकनीक को सीखकर आगे भी लोगों की सर्जरी करेंगे। वहीं सदर के डीएस डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि इस तरह के वर्कशॉप का आयोजन सदर में होना गर्व की बात है। उन्होंने डॉक्टरों को इसके लिए धन्यवाद दिया।

आयुष्मान से इलाज फ्री : उन्होंने बताया कि इस सर्जरी के लिए प्राइवेट हॉस्पिटलों में 70-80 हजार रुपये का खर्च आता है। लेकिन आयुष्मान से इसका इलाज फ्री में किया गया है। आने वाले दिनों में सदर में भी इसकी व्यवस्था की जाएगी। मशीन के खरीदारी का प्रस्ताव दिया जाएगा। जिससे कि यहां के मरीजों को इलाज के लिए कही और जाने की जरूरत न पड़े।

40 किसानों में किया गया हाइब्रिड धान बीज का वितरण

RANCHI : शनिवार को कांके प्रखंड के ईचापीड़ी पंचायत भवन मे 40 किसानों में हाइब्रिड धान की बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में कांके विधायक सुरेश बैठा मौजूद थे। मौके पर कांके बिटीएम बिंदु कुजूर ने बताया की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के बैनर तले प्रखंड के सभी कलेस्टर मे किसानो को शत- प्रतिशत अनुदान मे हाइब्रिड धान बीज का वितरण किया जा रहा है। आज ईचापीड़ी कलेस्टर में 40 किसानों में सावा 7310 किस्म के हाइब्रिड धान बीज एक किवंटल 20 किलो का वितरण किया गया। मौके पर कांके विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि हमारी गठबंधन कि सरकार का मुख्य उद्देश्य उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराकर किसानों की उपज और आय में वृद्धि करना है।

समाचार सार

मां विपदतारिणी को पूज मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में शनिवार को धूमधाम से मां विपदतारिणी की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान महिलाओं ने मां दुर्गा के विपदतारिणी रूप के आगे माथा टेककर अपने परिवार की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। महिलाओं ने एक-दूसरे की मांग में सिंदूर भर कर सदा सुहागन बने रहने की कामना की। पुजारियों ने भी श्रद्धालु महिलाओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर हर विपदा से दूर रहने का आशीर्वाद दिया। पूजा का आयोजन चाईबासा सदर बाजार के श्रीश्री काली मंदिर ट्रस्ट द्वारा की गई। मां की पूजा हर साल जगन्नाथ रथयात्रा के प्रारंभ और बाहुड़ा यात्रा के बीच शनिवार व मंगलवार को की जाती है। पूजा का आयोजन काली मंदिर में सेवारत राय परिवार द्वारा किया गया। पूजा मुख्य पुरोहित दिव्येन्दु राय तथा सहयोगी परिमल गांगुली, अनूप मुखर्जी, नाडु गोपाल राय आदि ने संपन्न कराई। पूजा में 13 किस्म की सामग्री अर्पित की गई। भोग में पूड़ी, पुआ, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, मूंगदाल, फल, खीर, मिष्ठान , चेरी आदि का भोग लगाया गया।

होमगार्ड व अग्निवीर के लिए चल रही प्रैक्टिस

CHAKRADHARPUR : कोल्हान नितिर तुरतुंग (केएनटी), चक्रधरपुर शाखा के अधीनस्थ सिलफोड़ी के शांतिनगर मैदान में 15 दिनों से होमगार्ड और अग्निवीर सेना में भर्ती के लिए प्रैक्टिस चल रही है। इसमें शनिवार को फिजिकल टेस्ट लिया गया। इस दौरान दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद और शाटपुट लिया गया, जिसमें 68 पुरुष और 37 महिला प्रशिक्षु शामिल हैं। पूर्व सैनिक दयासागर केराई के मार्गदर्शन में चल रहे प्रशिक्षण में संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष व पूर्व सैनिक माझीराम जामुदा, महासचिव प्रेमसिंह डांगिल, कार्यालय सचिव एवं एथलेटिक संघ के समन्वयक हेमंत सामड, सक्रिय सदस्य रबिन्द्र गिलुवा व पूर्व सैनिक राम बोदरा भी उपस्थित रहे।

विधायक सरयू राय ने बांटे 113 पेंशन प्रमाणपत्र

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने शनिवार को मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 111 और विधवा सम्मान पेंशन योजना के दो समेत 113 लाभुकों को प्रमाणपत्र दिए। इनमें कदमा, सोनारी, साकची और बिष्टुपुर क्षेत्र के पेंशनधारक शामिल थे। दिव्यांग प्रमाणपत्र लाभुकों के आवास पर भेज दिया जाएगा।

चक्रधरपुर में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में बिजली विभाग द्वारा प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का काम शनिवार से शुरू कर दिया गया है। इसमें सभी पुराने मीटर बदलकर प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। पहला मीटर चक्रधरपुर के पवन चौक स्थित छप्पन भोग मिठाई की दुकान में लगाया गया है। इस दौरान विभाग के एसडीओ भामा टुडू भी मौजूद थे। भामा टुडू ने बताया कि इस मीटर में सिम लगा हुआ है। आपको जितनी बिजली का उपभोग करना है, उतना रिचार्ज कीजिए। इससे बिल बकाये की समस्या नहीं होगी। इस मौके पर जेई अजय हंस, बेनटेक कंपनी के इंचार्ज पीयूष तिवारी व संजय यादव भी थे।

इंटर की पढ़ाई को लेकर राज्य सरकार विफल : भाजपा

JAMSHEDPUR : भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने शनिवार को जमशेदपुर महानगर के साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि झारखंड में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह अराजकता की स्थिति में पहुंच गई है। राज्य सरकार की घोर उदासीनता और कुप्रबंधन के कारण आज प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि वर्ष 2020 में लाई गई नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत देश भर में डिग्री कॉलेजों से इंटरमीडिएट की पढ़ाई को अलग करने का निर्देश दिया गया था। इस नीति के तहत राज्यों को स्कूलों को अपग्रेड कर इंटर की पढ़ाई की अलग व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई। विभिन्न राज्यों ने यह कार्य समय रहते कर भी लिया, लेकिन हेमंत सरकार ने पिछले साढ़े पांच वर्षों में पर्याप्त आधारभूत संरचनाओं का विकास नहीं किया एवं शिक्षकों की बहाली में भी रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि झारखंड में इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में पास हुए चार लाख से अधिक विद्यार्थी फर्स्ट ईयर एडमिशन के लिए दर-दर भटक रहे हैं। डिग्री कॉलेजों ने इंटरमीडिएट के दाखिले बंद कर दिए हैं, परंतु राज्य सरकार यह स्पष्ट करने में असमर्थ है कि इन विद्यार्थियों का एडमिशन कहां और कैसे होगा। सरकार के पास न तो पर्याप्त विद्यालय हैं, न शिक्षक, और न ही पढ़ाई के लिए जरूरी कक्षाएं या प्रयोगशालाएं।

हत्या के 5 साल बाद पुलिस ने किया मामले का खुलासा, तीन गिरफ्तार, दो हुए फरार

प्रेम प्रसंग में युवक की हुई थी हत्या, जंगल में दफना दिया था शव, कंकाल हुआ बरामद

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराईकेला थाना क्षेत्र में 2020 में हुए सीताराम बोदरा हत्याकांड का 5 साल बाद खुलासा हो गया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें राम बोदरा, पातोर होनहागा और लालो बोदरा शामिल हैं।

टैटेईपदा गांव निवासी सीताराम बोदरा लापता हो गया था। उसके भाई नंदू बोदरा ने अपने भाई के अपरहण और हत्या की आशंका जताते हुए 20 सितंबर 2020 को मामला दर्ज कराया था। लेकिन, पुलिस को सफलता नहीं मिली थी। इसी दौरान 27 जून को इस कांड में शामिल एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया तो पूरे मामले का उद्भेदन हो गया। इसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को और गिरफ्तार किया, जबकि इस हत्याकांड के दो आरोपी अब भी फरार हैं।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

सीताराम बोदरा का माधे दिग्गी नामक महिला से प्रेम प्रसंग था, जिसे पातोर होनहागा और माधे दिग्गी के परिवार वाले स्वीकार नहीं करते थे। इसी कारण इन लोगों ने सीताराम बोदरा की हत्या कर दी थी। टैटेईपदा गांव निवासी पातोर होनहागा, माचे दिग्गी और लाल बोदरा उर्फ गोरम बोदरा, राम बोदरा, लाण्डूपोदा निवासी विशाल पूर्ति ने सीताराम बोदरा को जान से मार कर रास्ते से हटाने का षड्यंत्र रचा था। इसके बाद सभी ने अपहरण कर उसकी हत्या की और शव को दफना दिया था।

अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने राजविजयपुर और बेनटांगर के बीच सुनसान कैनाल के किनारे से खोदाई कर मृतक का कंकाल बरामद किया।

पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। हत्या में शामिल दो अन्य आरोपियों (महिला माधे दिग्गी और विशाल पूर्ति) फरार हैं। पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान चला रही है।

पोड़ाहाट के पुलिस अधिकारी शिवम प्रकाश ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मामले का खुलासा किया।

इस मौके पर कराईकेला के थाना प्रभारी अंकित कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक गौतम कुमार, चंदन शुभम शर्मा के अलावा कराईकेला थाना के जवान उपस्थित थे।

फंदे पर लटका मिला छात्र का शव

JAMSHEDPUR : सुंदरनगर थाना क्षेत्र के तुरामडीह में शुक्रवार रात एक 14 वर्षीय छात्र की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान साहिल नायक के रूप में हुई है, जो रूपलाल नायक का बेटा था। वह इंग्लिश मीडियम स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र था और पढ़ाई में भी अच्छा था। शुक्रवार रात उसका शव घर के बाथरूम में शावर पाइप से साड़ी के फंदे से लटका हुआ मिला। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उसके मुंह पर पट्टी बंधी हुई थी। ऐसे में मामला खुदकुशी का है या फिर इसके पीछे कोई साजिश, इसे लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। घटना के वक्त उसके माता-पिता घर पर मौजूद नहीं थे। दोनों घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर अपनी दुकान चला रहे थे। रात जब उन्हें सूचना मिली तो वे दौड़कर घर पहुंचे। आनन-फानन में परिजन साहिल को खासमहल स्थित सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल परिसर में परिजनों ने काफी हंगामा किया। सूचना मिलने पर सुंदरनगर थाना प्रभारी और सर्किल इंस्पेक्टर दल-बल के साथ अस्पताल पहुंचे और परिजनों को समझाया। इसके बाद परिजन शांत हुए।

1000 भक्तों को बैद्यनाथ सेवा संघ कराएगा निःशुल्क कांवर यात्रा

साकची स्थित अग्रसेन भवन में जयकारा लगाते आयोजक ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सावन महीने में बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की ओर से इस वर्ष भी निःशुल्क कांवर यात्रा का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को साकची स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया कि 25 जुलाई को 1000 शिवभक्तों का जत्था कांवर यात्रा के लिए जमशेदपुर से सुल्तानगंज के लिए रवाना होगा। पंजीयन प्रक्रिया एक जुलाई से शुरू होगी और यह पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। 18 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम उम्र के लोग ही यात्रा के लिए पंजीयन कर सकेंगे। सभी पंजीकृत यात्रियों को फोटो और मोबाइल नंबर सहित पहचान पत्र जारी किया जाएगा, जिससे हर जगह प्रवेश सुनिश्चित होगा। विकास सिंह ने बताया कि कांवरियों की पहचान के लिए विशेष ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है, ताकि यात्रा के दौरान कोई भी कांवरिया अपने जत्थे से बिछड़े नहीं। यात्रा में सोनारी, कदमा, बिष्टुपुर, साकची और मानगो के भक्त शामिल होंगे। ठहराव स्थलों को आरक्षित कर लिया गया है।

वाहन की चपेट में आकर व्यक्ति की हुई मौत, मृतक की पहचान में जुटी पुलिस

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव में रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75ई पर किसी वाहन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। बंदगांव थाना प्रभारी दुर्गा शंकर मंडल ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर वे घटनास्थल पहुंचे और शव को बरामद किया। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पोस्टमार्टम के बाद शव को चक्रधरपुर स्थित रेलवे अस्पताल के शीतगृह में रखा गया है। जानकारी के अनुसार, बंदगांव थाना अंतर्गत जलमय गांव के समीप यह दुर्घटना हुई है। मृतक के शरीर पर हल्के पीले रंग की फुल शर्ट और ब्लू रंग की पैंट है। पुलिस ने आसपास के लोगों से अपील की है कि अगर किसी को मृतक के बारे में कोई जानकारी हो, तो वे थाने में संपर्क करें।

मकान बनाने के लिए खोदा था गड्ढा दो सगे भाइयों की डूबकर हो गई मौत

जमे हुए पानी में खेलते समय पैर फिसलने से गिरे

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाईबासा में दो सगे भाई, विशाल और विकास, घर के सामने खोदे गए एक गड्ढे में खेलते समय डूब गए, जिससे दोनों की मौत हो गई।

घटना शुक्रवार शाम की है। घर के सामने खोदे गए एक गड्ढे में दोनों भाई पानी से खेल रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद घर में कोहराम मच गया। घर वाले दोनों बच्चों को लेकर चाईबासा के सदर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रुगुड़पंचो गांव निवासी पलटन सिंह कुंटिया के दोनों पुत्र विकास सिंह कुंटिया (7वर्ष) और विशाल सिंह कुंटिया (5 वर्ष) शुक्रवार को दोनों बच्चे पानी से भरे एक गड्ढे के सामने खेल रहे थे। वहां दोनों का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए। दोनों बच्चों को डुबता देख कर आसपास खेल रहे अन्य बच्चों ने शोर मचाया। शोर सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे और बच्चों को बाहर निकाला। इलाज के लिए दोनों बच्चों को नजदीक के चाईबासा स्थित सदर अस्पताल पर ले जाया गया।

पोस्टमॉर्टम हाउस ● फोटोन न्यूज

मिट्टी के लिए खोदे गए थे गड्ढे

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रुगुड़पंचो गांव निवासी पलटन सिंह कुंटिया ने घर के सामने ही घर बनाने के लिए मिट्टी के लिए गड्ढे खोदे थे। लेकिन, बरसात का पानी भर जाने से घर बनाने के लिए खोदे गए गड्ढे ने ही घर का चिराग बुझा दिया।

मकान ढहने से बुजुर्ग महिला सहित तीन हुए घायल, अस्पताल में भर्ती

PHOTON NEWS JSR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के निर्मल नगर में शनिवार सुबह एक हादसा हो गया। लगातार बारिश के कारण एक कच्चा मकान और छप्पर ढह गया। इस दुर्घटना में बुजुर्ग महिला सहित तीन लोग घायल हो गए हैं। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। लगातार बारिश के कारण सीतारामडेरा थाना क्षेत्र स्थित निर्मल नगर (हुयूम पाइप निर्माण नगर) में शनिवार की सुबह एक कच्चा मकान और छप्पर अचानक ढह गया। हादसे के वक्त घर के अंदर सो रहे परिवार के तीन सदस्य मलबे में दब गए। चिख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला। घायलों में 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला रेणुका दास, उनका बड़ा बेटा विनोद दास (47) और छोटा बेटा पविर दास (40) शामिल हैं। हादसे में रेणुका दास का हाथ और पैर टूट गया है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों घायलों को टेंपो से एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज जारी है। घायल के चचेरे भाई उज्जवल दास ने बताया कि रेणुका दास के पति का निधन हो चुका है। दोनों बेटे मजदूरी कर किसी तरह अपने और अपनी बुजुर्ग मां का पालन-पोषण करते हैं। रेणुका दास को वृद्धा पेंशन का लाभ भी नहीं मिलता है। परिवार बरसों से मिट्टी और खपड़े के जर्जर मकान में रहने को मजबूर है। लगातार बारिश से दीवारें कमजोर हो गई थीं और बांस-रोला सड़ जाने के कारण शनिवार सुबह पूरा मकान ढह गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से परिवार की मदद की मांग की है।

घायल युवक

सोनारी के जेएनएसी डिपो में नहीं आते पर्याप्त मजदूर हाजिरी रजिस्टर गायब

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के सोनारी स्थित डिपो में पर्याप्त मजदूर नहीं रहते। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने शनिवार को सोनारी स्थित जेएनएसी (जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति) के अस्थायी डिपो का शनिवार को औचक निरीक्षण किया, तो डिपो में कई समस्याएं दिखाई दीं। यह निरीक्षण स्थानीय लोगों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद किया गया। निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ी खामी यह देखने को मिली कि डिपो में मजदूरों की हाजिरी रजिस्टर ही मौजूद नहीं था। यह स्पष्ट नहीं था कि कौन-कौन से मजदूर किस क्षेत्र में काम पर जा रहे हैं। विधायक को मजदूरों ने मुंशी के व्यवहार को लेकर भी शिकायत दी और कहा कि उसका रवैया बेहद अपमानजनक और मनमाना है। विधायक ने बताया कि सुबह 8:30 बजे तक वहां केवल 22 मजदूर उपस्थित थे, जबकि नियम के अनुसार 50 मजदूरों को उपस्थित रहना चाहिए था। पूछे जाने पर मुंशी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पाया। विधायक को जानकारी मिली थी कि जेएनएसी की ओर से इस डिपो की निगरानी के लिए कुल पांच सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं।

मुसाबनी में पुनर्वासित किए जाएंगे चाटीकोचा गांव के लोग

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड के चाटीकोचा गांव में यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के प्रोजेक्ट से प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास को लेकर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक हुई। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों एवं कंपनी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में चाटीकोचा के परिवारों के पुनर्वास से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि यूसीआईएल की टेलिंग पॉन्ड से त्रस्त इन परिवारों को मुसाबनी प्रखंड अंतर्गत बेनाशोल के चिह्नित स्थान पर पुनर्वासित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि पुनर्वास स्थल पर भूखंड, आवास, बिजली, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ आवश्यक सामाजिक एवं सामुदायिक ढांचे को भी विकसित किया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि यांत्रिकी विभाग प्रोजेक्ट का प्रारूप एवं प्राक्कलन तैयार करे, जिसमें विस्थापित परिवारों की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ स्थानीय सामाजिक भावनाओं का भी समुचित ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर प्रतिवेदन समर्पित किया जाए। उन्होंने स्थानीय प्रशासन एवं यूसीआईएल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों की जायज मांगों, जरूरतों एवं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए समन्वय बनाकर पुनर्वास प्रक्रिया को शीघ्रातिशीघ्र और संतुलित रूप से आगे बढ़ाया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ओवरलोड होते ही बिजली विभाग को मिल जाएगी जानकारी, बढ़ा दी जाएगी क्षमता

अब नहीं जलेंगे बिजली के ट्रांसफॉर्मर, लगाया जा रहा डिजिटल मीटर

- दो साल में पूरी हो जाएगी उपकरण लगाने की प्रक्रिया

MUJTABA RIZVI @ JSR : झाररखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के जमशेदपुर सर्किल में अब बिजली विभाग ऐसा इंतजाम कर रहा है कि ट्रांसफॉर्मर का जलना मुश्किल बात हो जाएगी। ट्रांसफॉर्मर नहीं जलेंगे और इस वजह से उपभोक्ताओं को होने वाली दिक्कत खत्म हो जाएगी। इसके लिए बिजली विभाग सर्किल के सभी ट्रांसफॉर्मरों में डीटीआर यानी डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लगा रहा है। यह मीटर जमशेदपुर सर्किल के मानगो, जमशेदपुर, घाटशिला और आदित्यपुर इलाके में लगाए जा रहे हैं।

प्रतीकात्मक तस्वीर

2158 ट्रांसफॉर्मरों में लगेंगे डिजिटल मीटर

जमशेदपुर सर्किल में मानगो, जमशेदपुर, घाटशिला और आदित्यपुर इलाके आते हैं। इन इलाकों में अभी 2158 ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं। यह सभी ट्रांसफॉर्मर दो लाख 15 हजार 873 केवीए लोड के हैं। डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लग जाने के बाद पता चलेगा कि आखिर इन ट्रांसफॉर्मरों पर वास्तव में क्या लोड है। अगर लोड बढ़ेगा तो कम क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर हटा कर उनकी जगह अधिक क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे।

कम लोड दिखाने से होती है समस्या

डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर ट्रांसफॉर्मरों के लोड बताएगा। मीटर यह बताएगा कि किस ट्रांसफॉर्मर में कितना लोड है। अगर किसी ट्रांसफॉर्मर में लोड बढ़ जाएगा तो उस ट्रांसफॉर्मर को विभाग हटा कर वहां अधिक क्षमता का ट्रांसफॉर्मर लगा देगा। इस तरह, अधिक लोड से ट्रांसफॉर्मर नहीं जलेगा। अभी अधिकतर ट्रांसफॉर्मर लोड बढ़ने की वजह से जल जाते हैं। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कई उपभोक्ता लोड कम दिखा कर कनेक्शन लेते हैं जबकि, उनके घर में अधिक लोड बिजली की खपत होती है। मगर, अब यह मीटर ट्रांसफॉर्मर के फुल लोड को बताएगा, जिससे बिजली विभाग को स्थिति समझने में आसानी होगी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता सुधीर कुमार ने बताया कि अगर कोई ट्रांसफॉर्मर 100 केवीए का है और उस पर 150 केवीए का लोड पड़ रहा है। तो उस ट्रांसफॉर्मर को हटा कर वहां 200 केवीए का ट्रांसफॉर्मर लगा दिया जाएगा।

> डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। सिक्योर कंपनी यह काम देख रही है। दो साल के अंदर जमशेदपुर सर्किल के सभी ट्रांसफॉर्मरों में यह डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर मीटर लगा दिया जाएगा।
>
> **सुधीर कुमार**
> **अधीक्षण अभियंता, जमशेदपुर सर्किल**

विभाग ने एजेंसी को जल्द लगाने के दिए निर्देश

जमशेदपुर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लगाने का काम शुरू हो गया है। यह काम तेजी से चल रहा है। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि मानगो, घाटशिला, जमशेदपुर और आदित्यपुर में सभी ट्रांसफॉर्मरों में डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लगाने का काम दो साल में पूरा कर लिया जाएगा। डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लगाने का काम सिक्योर कंपनी कर रही है। कंपनी को हिदायत दी गई है कि वह यह काम तेजी से करे ताकि समय सीमा के अंदर डिजिटल ट्रांसफॉर्मर मीटर लगाने का काम पूरा किया जा सके।

राष्ट्रीय भाव के जागरण में साहित्यकारों की भूमिका पर कराई गई परिचर्चा

JAMSHEDPUR : सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन संस्थान द्वारा डेढ़ माह तक चलने वाले 'तुलसी जयंती समारोह' के अंतर्गत शनिवार को शाम 4 बजे से संस्थान के प्रयाग कक्ष में साहित्यकारों के लिए साहित्यिक परिचर्चा की गई। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय भाव के जागरण में साहित्यकारों की भूमिका विषय पर साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मूनका तथा संचालन साहित्य समिति के सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्थान के कोषाध्यक्ष विमल कुमार जालान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत वक्तव्य तथा विषय प्रवेश संस्थान के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन समिति के दिव्येंदु त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का आरंभ गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण कर किया गया।

प्रेमी ने प्रेमिका की गला काट कर की हत्या, खुद भी लगाई फांसी, दोनों के बीच हुआ था झगड़ा

मेला से लौटने के दौरान घटना को दिया गया अंजाम, जंगल में अलग-अलग स्थानों पर मिली लाश

PHOTON NEWS LOHARDAGA : लोहरदगा जिला के सुदूरवर्ती जंगली, पहाड़ी और नक्सल प्रभावित क्षेत्र से सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के दुंदरु गांव में एक बड़ी घटना हुई है। यह घटना शुक्रवार देर शाम की है। सुदूरवर्ती क्षेत्र होने की वजह से पुलिस को इसकी सूचना शनिवार की सुबह हुई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी है। इसके बाद पुलिस एहतियात बरतते हुए घटनास्थल तक पहुंची, जहां पुलिस को दो शव बरामद हुए।

स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि एक प्रेमी ने पहले तो अपनी प्रेमिका का गला काटकर उसकी हत्या कर दी और उसके बाद खुद भी जंगल में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना की पुष्टि करते हुए लोहरदगा के एसपी सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि पुलिस मौके पर पहुंची है। अभी जांच की जा रही है। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेजा गया है।

मृतकों की पहचान सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के दुंदरु निवासी जंगले उरांव के 18 वर्षीय पुत्र जयनाथ उरांव और गुमला जिला के बिशुनपुर जालिम निवासी रामदयाल खेरवार की पुत्री 16 वर्षीय मालती कुमारी के रूप में हुई है। मालती सुंदरू गांव में अपने मौसी के घर पर रहकर मुंगो विद्यालय में कक्षा दसवीं में पढ़ रही थी। घटनास्थल लोहरदगा जिला के सेरेंगदाग थाना क्षेत्र का दुंदरु ढोंगी ढोंढा है। बताया जाता है कि शुक्रवार को पहाड़ मेला लगा हुआ था। मेला में जयनाथ और मालती दोनों गए थे। दोनों के बीच पिछले कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अक्सर मिलते थे और एक-दूसरे के साथ समय गुजारते थे। मेला से लौटने के क्रम में जयनाथ और मालती के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद गुस्से में आकर जयनाथ उरांव ने मालती की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद वहां से कुछ दूरी पर दुंदरु ढोंगी ढोंढा के समीप जंगल में जाकर जयनाथ ने पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के घर वालों को घटना की जानकारी काफी देर बाद हुई। जब दोनों घर नहीं लौटे तो परिजन दोनों की तलाश करने लगे। इसी दौरान अलग-अलग स्थान पर दोनों का शव बरामद हुआ। इसके बाद मामले की सूचना सेरेंगदाग थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने के बाद सुरक्षा कारणों से सेरेंगदाग थाना प्रभारी रामाशीष यादव ने एहतियात बररते हुए घटनास्थल पर पहुंच कर शवों को कब्जे में ले कर जांच शुरू कर दिया है। पुलिस ने दोनों के परिजनों का बयान दर्ज किया है।

पहाड़िया जनजाति की गर्भवती ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

PALAMU : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आदिम जनजाति पहाड़िया की गर्भवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसे इलाज के लिए शुक्रवार रात में भर्ती कराया गया था, शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान पलामू से सटे लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र के हेन्देहास गांव की अनिता कुमारी (19 वर्ष) पति विनय पहाड़िया के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों के बयान पर छानबीन शुरू कर दी है। बताया जाता है कि अनिता ने शुक्रवार शाम जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। उस समय घर पर परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। साप्ताहिक बाजार होने के कारण परिवार के लोग घर से बाहर थे। जब लोग घर पहुंचे तो देखा कि अनिता बैठे-बैठे अचानक गिर गयी। पूछने पर बताया कि उसने जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया है। उसे इलाज के लिए बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाया गया, लेकिन वहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए एमएमसीएच रेफर कर दिया गया।

घटनास्थल पर मौजूद परिजन

एमएमसीएच में इलाज के क्रम में अनिता ने दम तोड़ दिया। मृतका के भाई प्रमोद परहिया ने बताया कि दो साल पहले अनिता की शादी विनय परहिया से करायी थी। किसी तरह के विवाद से इनकार किया। बताया कि अनिता का पति 25 दिन पहले मजदूरी करके लौटा था। घर पर ही रह रहा था। पति ने ही रात में फोन करके घटना की जानकारी दी थी। इधर, शव को देखने के बाद जानकारी हुई कि अनिता के हाथ पर चोट के निशान थे, खून लगा हुआ था। संभावना है कि आत्महत्या से पहले विवाद हुआ होगा। हालांकि पति समेत ससुराल पक्ष के परिजन कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं। घटना के बाद से अनिता के पति विनय की तबियत बिगड़ गयी है। उसका भी इलाज चल रहा है।

ट्रेन की चपेट में आकर होमगार्ड महिला जवान के दोनों पैर कटे, गंभीर

PALAMU : ट्रेन की चपेट में आकर होमगार्ड महिला जवान का दोनों पैर काटने के बाद उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। होमगार्ड महिला जवान की पहचान पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दुअरा गांव निवासी वीरेंद्र यादव की पुत्री अनुराधा कुमारी (20) के रूप में की गई है। घटना के बारे में घायल महिला होमगार्ड जवान के पिता वीरेंद्र यादव ने शनिवार को बताया कि अनुराधा कुमारी गिरिडीह में ड्यूटी करती थी। होमगार्ड ऑफिस से अनुराधा कुमारी का कमान देवघर के लिए कटा था। देवघर ड्यूटी करने के लिए अनुराधा अपने घर से ट्रेन पर सवार होकर मेदिनीनगर होमगार्ड ऑफिस अपना कमान लेने जा रही थी। इसी बीच कोसीआरा रेलवे स्टेशन के पास किसी काम के लिए अनुराधा ट्रेन से उतरी थी। तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गई, जिसके कारण उसके दोनों पैर कट गए। स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। भीड़ में उपस्थित लोगों ने इस घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर घायल अनुराधा कुमारी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

BRIEF NEWS

मासिक लोक अदालत में 104 मामले निष्पादित

KHUNTI : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को व्यवहार न्यायालय खूंटी में मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए कुल पांच बैंचों का गठन किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले, एनआइ एक्ट के मामले, बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किए गए। डालसा के सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में पांच बेंचो के माध्यम से न्यायालय में लंबित 104 मामलों का निष्पादन किया गया। 8,59,552 रु राशि का सेटलमेंट किया गया। मासिक लोक अदालत में मामलों के निष्पादन के लिए गठित की गई। प्रथम बेंच में जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा, पैनल अधिवक्ता जुनूल होरो और ममता सिंह, द्वितीय बैंच में मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी अर्जुन साव, पैनल अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, तृतीय बेंच में अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी विद्यावती कुमारी, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बेंच में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम अमित आकाश सिंहा, पैनल अधिवक्ता मदन मोहन राम और शशि कला कुमारी तथा पंचम बेंच में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह, सदस्य मधु चंदा कुमारी, रूबी कुमारी एवं पीएलवी आदि शामिल थे। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

प्रधान जिला जज पहुंचे खूंटी उपकारा

KHUNTI : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रसिकेश कुमार ने शनिवार को खूंटी उपकारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपकारा के बंदियों से उनके केस के बारे में पूछताछ की। बंदियों के रसोई का निरीक्षण किया और उनके मेन्यू के बारे में पूछताछ की। इस दौरान प्रधान जिला जज ने सभी महिला बंदियों से भी उनके रहन-सहन और उनके मामलों के बारे में पूछताछ की। साथ ही मेडिकल क्लिनिक में भर्ती सभी मरीजों से मुलाकात कर क्लिनिक में उपस्थित डॉक्टरों को मरीजों के लिए उचित दवा की व्यवस्था कराने की सलाह दी। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

एक्सएलआरआई में फैकल्टी और स्टाफ के लिए जेंडर सेंसिटाइजेशन पर हुआ जागरूकता सत्र

जमाने के साथ बदली है यौन उत्पीड़न की परिभाषा ऑनलाइन प्रताड़ना पर भी जरूर करें शिकायत

PHOTON NEWS JSR : एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने अपनी आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) के तत्वावधान में फैकल्टी और स्टाफ के लिए जेंडर सेंसिटाइजेशन एवं पीओएसएच (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम) जागरूकता सत्र किया। एक समावेशी, सुरक्षित और सशक्त शैक्षणिक माहौल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुई कार्यशाला में 146 ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व आइसीसी की संयोजक और पीओएसएच एक्ट 2013 की प्रमाणित ट्रेनर प्रोफेसर आयातक्षी सरकार ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को पीओएसएच कानून की मूल अवधारणाओं, संस्थागत दायित्वों और नैतिक जिम्मेदारियों से अवगत कराया। इस दौरान आइसीसी की कानूनी जिम्मेदारियां और उसकी संरचना, शिकायतों के निपटारे में गोपनीयता और उचित प्रक्रिया, झूठी शिकायतों को लेकर फैली भ्रांतियां और साक्ष्यों की भूमिका के साथ ही एक अच्छे आदर्श माहौल के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों की भूमिका पर बल दिया गया। इसके साथ ही बताया गया कि आज के दौर में यौन उत्पीड़न की परिभाषा बदल गई है। ऑफलाइन के साथ ही आज ऑनलाइन तरीके से भी यौन उत्पीड़न किया जा रहा है। ऐसा होने पर किस प्रकार से शिकायतें की जा सकती हैं। इससे जुड़ी जानकारी भी दी गईं। प्रो. सरकार ने कहा कि पीओएसएच का अनुपालन केवल एक कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि यह सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है. संस्थान के प्रत्येक सदस्य की भूमिका एक सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण को आकार देने में अहम होती है। सत्र के अंत में एक खुला प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं व उनके प्रश्नों का जवाब दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं आयातक्षी सरकार ● फोटोन न्यूज

उल्लेखनीय है कि इस सत्र से पूर्व एक्सएलआरआई में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए भी इसी विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है।

सदर अस्पताल में तीन नवजातों की मौत, सीडब्ल्यूसी ने लिया संज्ञान

- भाजपा विधायक राज सिन्हा ने भी सरकार पर उठाए सवाल, काम नहीं कर रही नियोनेटल यूनिट

DHANBAD : सदर अस्पताल में 25-26 जून को 24 घंटे के अंदर तीन नवजात की मौत पर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी ने मामले को गंभीरता से लिया है। इस पर संज्ञान लेते हुए कमेटी के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन से प्रतिवेदन मांगा है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है। किस परिस्थिति में तीनों नवजात की जान गई है, इसके बारे में अस्पताल प्रबंधन से जानकारी ली जा रही है।

इस मामले पर विधायक राज सिन्हा ने भी कार्रवाई की मांग की है।

बताया जाता है कि तोपचांची के मुर्शीद आलम की पत्नी तनीशा खातून, गोविंदपुर की शमा परवीन और निरसा की सरस्वती बाउरी यहां प्रसव के लिए आई थी। लेकिन, अस्पताल में नियोनेटल केयर यूनिट समेत अन्य सुविधा नहीं होने के कारण नवजातों को बचाया नहीं जा सका। बुधवार रात से लेकर गुरुवार दोपहर दो के बीच 24 घंटे में तीन नवजातों की जान चली गई।

एक ओर नवजात बच्चे को लिए नियोनेटल केयर यूनिट की व्यवस्था नहीं है, तो दूसरी ओर इसके लिए लगभग 25 लाख के सामान पिछले 3 वर्षों से पड़े हैं। चार शिशु रोग विशेषज्ञ भी हैं, लेकिन यह सेवा शुरू नहीं हो पाई है।

आयुष्मान वालों का इलाज नहीं होने पर नपेंगे अस्पताल प्रबंधन

- स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने सिविल सर्जन को दिया जांच का आदेश

DHANBAD : सरायढेला स्थित श्रेष्ठ नेत्र अस्पताल की मुश्किलें बढ़ेंगी। आयुष्मान कार्ड धारी और लेप्रोसी की आदिवासी मरीज का इलाज नहीं करने पर स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने जांच के आदेश दिए हैं। संयुक्त सचिव ने धनबाद सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन को जांच कर कार्रवाई करने को कहा है। संयुक्त सचिव को निर्देश के बाद सिविल सर्जन जांच के लिए कमेटी का गठन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसकी रिपोर्ट जल्द बनाकर मुख्यालय को भेजी जाएगी। ग्रामीण एकता मंच (गोपालीचक) के केंद्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने फरवरी में मुख्यमंत्री से इसकी शिकायत की थी। बताया था कि आदिवासी महिला का इलाज श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय के डॉक्टर ने नहीं किया और दुर्व्यवहार किया।

क्या है मामला

15 जनवरी को करकेंद स्थित गांधी ग्राम लेप्रोसी कालोनी की दिव्यांग आदिवासी रोसोमनी हेंब्रम आयुष्मान कार्ड के माध्यम से आंख का ऑपरेशन कराने सरायढेला स्थित श्रेष्ठ नेत्र चिकित्सालय गई थी। अस्पताल की पर्ची बनवाकर आंख की जांच कराई गई। सिंह ने बताया कि जांच के उपरांत जब मैं दिव्यांग महिला को लेकर डॉ. अंकिता सिन्हा के कक्ष में पहुंचा, तो रोसोमनी की लेप्रोसी विकलांगता देखकर इलाज करने से इनकार कर दिया। डॉक्टर चैंबर से निकल गई और मरीज को अपमानित किया और उसकी दिव्यांगता और बीमारी के बारे में भी भला-बुरा कहा।

बोकारो : मिनी गन फैक्ट्री का मुख्य सरगना गिरफ्तार

BOKARO : बोकारो की जिला पुलिस ने अवैध मिनी गन फैक्ट्री के मुख्य सरगना सूरज कुमार साव और उसके सहयोगी सूरज प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने न केवल अपने अपराध स्वीकार कर लिए हैं, बल्कि अन्य सहयोगियों के नाम भी बताए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि इस कार्रवाई में कोलकाता एटीएस और रांची एटीएस से भी सहयोग मिला। ज्ञात हो कि बोकारो जिला में बीते दिनों स्थानीय पुलिस, कोलकाता एटीएस और रांची एटीएस की संयुक्त टीम ने गांधीनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत जरीडीह ऊपर बाजार, कलाली रोड स्थित कावेरी मैरेज हॉल के सामने बने एक गोदाम में संचालित अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था। मौके से दो अभियुक्त भी गिरफ्तार किए गए थे, जिसमें मुख्य सरगना फरार हो गया था। बोकारो एसपी ने इस अवैध कारोबार के मुख्य सरगना की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था, जिसने गुप्त सूचना के आधार पर इस कांड के मुख्य सरगना और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया।

दुर्घटना पीड़ितों से मिल विधायक पूर्णिमा साहू ने जताई संवेदना

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में हाल ही में दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं, जिनमें एक मकान गिरने और दूसरी आगजनी की घटना शामिल है। इन दोनों मामलों में विधायक पूर्णिमा साहू ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घटनास्थलों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। शनिवार को निर्मल नगर में एक पुराना मकान गिर जाने से अफरातफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक तत्काल मौके पर पहुंचीं और प्रभावित परिवार से मिलकर उनका हालचाल जाना।

इस हादसे में घायल हुई महिला से उन्होंने एमजीएम अस्पताल जाकर मुलाकात की और चिकित्सकों से समुचित इलाज करने का आग्रह किया। अस्पताल अधीक्षक से बातचीत कर उन्होंने इलाज में किसी प्रकार की कोताही न बरतने की बात कही। देर शाम तत्काल राहत के रूप में पीड़ित परिवार को विधायक की ओर से तिरपाल मुहैया कराई गई। वहीं, बीते दिनों बागुनहातु रोड नंबर-2 निवासी गोपीनाथ मुखी के घर में आग लगने की घटना से परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। विधायक पूर्णिमा साहू ने वहां पहुंचकर पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाया और अग्नि सुरक्षा को लेकर जागरूकता की अपील की। उन्होंने परिजनों को आग से सावधानी बरतने और सतर्क रहने की सलाह दी। वहीं, हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

एमजीएम अस्पताल में पीड़ित महिला से मिलतीं विधायक ● फोटोन न्यूज

नीट में सफल छात्राओं को उपायुक्त ने किया सम्मानित

छात्रा को सम्मानित करतीं उपायुक्त आर रॉनिटा ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : नीट (एनआइआइटी) परीक्षा 2025 में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने वाली मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कर्रा की 11 और जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय खूंटी की एक छात्रा को उपायुक्त आर रॉनिटा ने शनिवार को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने छात्राओं के साथ संवाद कर उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली और उन्हें मार्गदर्शन भी दिया। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समर्पित प्रयास, उचित मार्गदर्शन एवं अनुशासित अध्ययन से किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता संभव है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आर्थिक कारणों से किसी भी विद्यार्थी की पढ़ाई बाधित नहीं होने दी जाएगी। जिला प्रशासन हर योग्य छात्र को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सफलता जिले में शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों के परिश्रम और विद्यालयों में चल रही सकारात्मक शैक्षणिक गतिविधियों का परिणाम है।

हूल दिवस के कार्यक्रम की भी जिला प्रशासन ने नहीं दी अनुमति, आमंत्रित थे चम्पाई

पूजन अवधि में बदलाव से सिदो-कान्हू के वंशज नाराज

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : हर वर्ष 30 जून को झारखंड में हूल क्रांति के महानायकों शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि देने के लिए हूल दिवस मनाया जाता है। साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में इस अवसर पर खास आयोजन होते हैं, जहां उनके वंशज पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजा अर्चना करते हैं।

इस बार जिला प्रशासन ने पूजा के समय में बदलाव किया है। नए आदेश के अनुसार, पूजा सुबह 10 बजे से पहले और शाम 4 बजे के बाद ही की जा सकती है। प्रशासन के इस निर्णय से सिदो-कान्हू के वंशजों में नाराजगी है। इस फैसले के खिलाफ मंडल मुर्मू, सिदो-कान्हू मुर्मू हूल फाउंडेशन और आतु मांझी बैसी भोगनाडीह के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन का विरोध किया।

प्रतीकात्मक तस्वीर

प्रशासन की चुप्पी, एक अधिकारी ने दी सफाई

जहां जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, वहीं एक सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पूजा शांतिपूर्ण तरीके से होनी चाहिए, इसके लिए समय सीमा सुबह 10 बजे से पहले और शाम 4 बजे के बाद निर्धारित की गई है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष मंडल मुर्मू ने ग्राम प्रधान बबलू हांसदा सहित कई लोगों की उपस्थिति में भोगनाडीह के मांझी थान में पूजा की। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक तीर-धनुष, भाला, तलवार लेकर गांव में रैली निकाली और स्टेडियम परिसर तक मार्च करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष नारेबाजी कर विरोध जताया।

मंडल मुर्मू ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी हूल दिवस पर फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाना था। इसके मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और बोरियो के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम को आमंत्रित किया गया था। लेकिन, इस बार कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी गई, जिससे समुदाय में गहरा आक्रोश है।

उन्होंने कहा कि, हम हर वर्ष की तरह इस बार भी शांतिपूर्ण तरीके से पूजा करना चाहते हैं, लेकिन प्रशासन हमें रोक रहा है, जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं।

देसी मशरूम खाने से एक ही परिवार के 6 लोग हुए बीमार

अस्पताल में इलाजरत परिवार के सदस्य ● फोटोन न्यूज

GIRIDIH : गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के घाघरा गांव में देसी मशरूम खाने के कुछ देर बाद एक ही परिवार के छह सदस्यों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि सभी ने खेत में उगे मशरूम (फुटका, रुगड़ा, खुखड़ी) पकाकर खाया था।

बीमार लोगों की पहचान राजेश वर्मा, मनीता देवी, अभिलाषा कुमारी, सोनम कुमारी, वर्षा कुमारी और आयुष कुमार के रूप में हुई है। राजेश वर्मा ने बताया कि मशरूम उनके खेत में ही उगा था। खाने के तुरंत बाद सभी को उल्टी और बेचैनी होने लगी, जिसके बाद परिजनों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया।

सदर अस्पताल के डॉ. पंकज प्रसाद वर्मा ने बताया कि यह फूड प्वाइजनिंग का मामला है। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम में देसी और जंगली मशरूम का सेवन बहुत सावधानी से करना चाहिए, क्योंकि सभी मशरूम खाने योग्य नहीं होते।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूंबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?

संपादकीय

पाकिस्तान फिर बेनकाब

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर बेनकाब करते हुए भारत पर ही आरोप मढ़ने की उसकी चाल को विफल कर डाला। आतंकवाद के खिलाफ अपने कड़े रुख पर कायम रहते हुए भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज करने और सीमा पार से होने वाले पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के प्रति भारत कीचिताओं को अनदेखा करने पर बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथसिह ने पहलगाम आतंकी हमले को वक्तव्य में शामिल करने की मांग की, जबकि पाकिस्तानी पक्ष ने बलूचिस्तान में चरमपंथी गतिविधियों पर टिप्पणी डलवाने पर जोर दिया, जो साफ-साफ भारत पर आरोप मढ़ने का प्रयास था। पाकिस्तान की इस हरकत के कारण सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य के बिना ही समाप्त हो गया। वक्तव्य के मसौदे में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र ही नहीं था और न ही सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को दशार्या गया था। ये सारी चालें सम्मेलन के अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर भारत के रुख को कमजोर करने के लिए चली जा रही थी, मामले को भांपते ही रक्षामंत्री ने पाक के धुर्रे उड़ा दिए। राजनाथ ने आतंकवाद का प्रायोजक ठहराते हुए जवाबदेह ठहराने की अपील की। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड रखने वालों के खिलाफ एससीओ को भी भारत जैसी कड़ी नीति अपनानी चाहिए। अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का वक्त आ गया है। आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और अपने संकीर्ण और निहित उद्देश्यों के लिए इसका इस्तेमाल करने वालों को परिणाम भुगतने ही होंगे। ऑपरेशन सिंदूर इसकी शुरूआत थी जिसके तहत भारत ने आतंकवाद से बचाव तथा सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। आपरेशन से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति उसकी कार्रवाइयों के माध्यम से प्रदर्शित हुई है। भारत के इन प्रयासों को एससीओ के सदस्य देशों से निसंकोच भरपूर सहयोग और समर्थन मिलना ही चाहिए। दुनिया के इस भूभाग में इसी से शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा तथा संगठन का उद्देश्य सार्थक हो सकेगा।

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते।...

क्या अमेरिका-इजरायल खामेनेई को सत्ता से हटाने में सफल हो पाएंगे!

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' ये बयान दिया था। दरअसल अमेरिका ऐसा कह कर ईरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना तलाश रहा है। अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, 'सत्ता परिवर्तन शब्द का उपयोग करना राजनीतिक रूप से सही नहीं है लेकिन अगर वर्तमान शासन ईरान को फिर से महान बनाने में समर्थ नहीं है तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होगा?

अमेरिका ने ईरान में सुप्रीम लीडर खामेनेई को सत्ता से हटाने की कई बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोशिश की है लेकिन मुस्लिम शिया धर्म के सुप्रीम लीडर खामेनेई को हटाना संभव नहीं हो सका। इस वक्त भी ईरान में सत्ता परिवर्तन की माँग उठ रही है। खुद खामेनेई के परिवार से इसकी माँग उठने लगी है।

महमूद मोरादखानी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के भतीजे हैं। वह 1986 में ईरान छोड़कर फ्रांस चले गए थे और निर्वासन की जिंदगी जी रहे हैं। महमूद मोरदखानी ने कहा है कि वह युद्ध के पक्ष में नहीं हैं लेकिन ईरानी सरकार का खात्मा ही यहाँ स्थायी शांति के लिए जरूरी है। महमूद मोरादखानी के अनुसार ह्यजो भी इस शासन को मिटा सके, वह जरूरी है।ह्य उनका मानना है कि कई ईरानी लोग खामेनेई के कमजोर होने से ईरान में खुश हैं।

ईरान के पूर्व शहजादे रजा पहलवी ने भी शासन में बदलाव पर जोर दिया है। उनका कहना है कि तेहरान में सत्ता पतन जरूरी है। रजा पहलवी ईरान के अंतिम पहलवी शासक मोहम्मद शाह पहलवी के बड़े बेटे हैं। उनका परिवार अमेरिका में निर्वासन की जिंदगी गुजार रहा है। 1979 में देश छोड़कर भागे पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी इस वक्त काफी सक्रिय हैं।

रजा अमेरिका में रहते हैं और खुद को ईरान के शासक के रूप में देखना चाहते हैं। 2016 में पहली बार जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने थे तो शाह ने

ईरान में धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाने और लोकतंत्र की बहाली की वकालत की थी।

इसके बाद फिर जब ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने तो पहलवी ने ईरान में लोकतंत्र की वकालत करते हुए पश्चिमी राष्ट्रों से उसके संबंध सुधारने पर जोर दिया था। अब जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया तो वह इजरायल का पक्ष लेते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि ईरान में अभी कई ऐसे लोग हैं जो इजरायल की इस कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं और खामनेई को सत्ताच्युत करना चाहते हैं। माना जा रहा है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप ईरान में सत्ता परिवर्तन में रजा पहलवी को समर्थन दे सकते हैं और ईरान में लोकतंत्र की स्थापना की पहल कर सकते हैं। हालाँकि खामनेई ने अपने विकल्प के तौर पर तीन उत्तराधिकारियों को चुन लिया बताया जा रहा है। ये तीनों ही मौलवी हैं यानी ईरान को इस्लामिक राष्ट्र बनाए रखने की व्यवस्था खामेनेई ने कर दी है।

ईरान में अभी कई संगठन एक्टिव हैं जो चाहते हैं कि सत्ता परिवर्तन हो। इनमें पीपुल्स मुजाहिदीन या मोजाहिदीन ए खल्क यानी एमईके, ग्रीन मूवमेंट प्रमुख हैं। एमईके ऐसा संगठन है जिसे गोरिल्ला युद्ध लड़ने में महारत हासिल है लेकिन अमेरिका इसे नहीं पसंद करता क्योंकि ये संगठन रूस के नजदीक रहा है। अमेरिका विरोध के बावजूद खामेनेई को उखाड़ फेंकने की कोशिश में ये संगठन लगा हुआ है। जानकारी के अनुसार खामेनेई ने ही इस संगठन को कुचला था। धीरे-धीरे खुद को खड़ा करने के दौरान संगठन अमेरिका के संपर्क में भी आ गया। इस दल के नेता को अल्बानिया में स्थापित करने में अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई हालाँकि आज की तारीख में ये कहना काफी मुश्किल है कि संगठन ईरान की इस्लामिक सत्ता को उखाड़ फेंकने में सक्षम है।

ग्रीन मूवमेंट ईरान में 2009 में सुर्खियों में आया। राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए संगठन ने आंदोलन चलाया। देश में लोकतांत्रिक सुधारों की बात करने वाला ये संगठन खामेनेई को सत्ता से हटाना चाहता है और अक्सर विरोध प्रदर्शन करता रहता है। इस संगठन ने 2010 में बड़ा आंदोलन खड़ा किया था। इस्लामिक राष्ट्र का विरोध करने के कारण इसके आंदोलन को दबा दिया गया और इसके नेताओं को गिरफ्तार किया गया। आज की परिस्थिति में ये उम्मीद करना मुश्किल है कि ये संगठन ईरान में इस्लामिक सत्ता को हटा सकता है।

ईरान में इस्लामिक शासन के दौरान वर्षों से महिलाओं का दमन किया जाता रहा है। हिजाब के खिलाफ महिलाएँ सड़कों पर उतरती रही हैं और सरेआम इसे उतार कर फेंकती रही हैं। विरोध प्रदर्शन में हिजाब जलाना, खामेनेई की तस्वीर जलाकर 'मुल्ला भाग जाओ' का नारा बुलंद करना आम रहा है। अब इन महिलाओं को खामेनेई को सत्ता से हटाने का विकल्प सामने दिखने लगा है। इधर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान में सत्ता परिवर्तन पर बड़ा बयान दिया। उनका कहना है कि वो ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहते हैं। वे सत्ता परिवर्तन नहीं चाहते।

अमेरिका और इजरायल के अलावा भी कई देश हैं जो खामेनेई को सत्ता से बेदखल होते हुए देखना चाहते हैं। इनमें इराक, सऊदी अरब, लेबनान, मिस्र जैसे पड़ोसी इस्लामिक देश भी शामिल हैं। दरअसल इन राष्ट्रों का झगड़ा शिया-सुन्नी को लेकर है। ईरान एकमात्र शिया इस्लामिक देश है जबकि बाकी देश सुन्नी इस्लामिक राष्ट्र हैं।

रामस्वरूप रावतसरे

मुद्दा : समय पर न्याय मिलना जरूरी

डॉ. प्रभात दीक्षित

भारत की न्यायिक व्यवस्था अब बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अब महीने में दो अतिरिक्त कार्य दिवस जोड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

यानी अब दूसरे और चौथे शनिवार को भी सुप्रीम कोर्ट खुलेगा और नियमित मामलों की सुनवाई करेगा। यह फैसला केवल अदालत के काम के घंटे बढ़ाने का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसे समय में आया है जब देशभर में न्याय का बोझ बहुत बढ़ गया है। देश में वर्तमान समय में करीब 5 करोड़ मुकदमे अदालतों में लंबित हैं। इनमें से अकेले सुप्रीम कोर्ट में 72,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं।

हाईकोर्ट में यह संख्या लगभग 60 लाख के करीब है और सबसे ज्यादा भार तो निचली अदालतों पर है, जहां 4 करोड़ 30 लाख से अधिक मुकदमे वर्षों से फैसले की राह देख रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक संकेत है कि न्यायपालिका अब खुद भी अपनी कार्य संस्कृति को बदलने को तैयार है और यह बदलाव केवल अदालतों के भीतर नहीं, बल्कि पूरे समाज में फैलना चाहिए, लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है कि क्या अदालतों के कार्य दिवस बढ़ा देने भर से समस्या हल हो जाएगी? जवाब है नहीं।

जब तक समाज, सरकार, मीडिया, पुलिस, प्रशासन और आम नागरिक सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, तब तक अदालतों पर बढ़ता बोझ कम नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि आम आदमी खुद यह सोचे कि क्या हर विवाद अदालत तक ले जाना जरूरी है? अक्सर मामूली झगड़े जैसे कि जमीन के छोटे विवाद, पारिवारिक तनाव, लेन-देन की छोटी बातें भी कोर्ट तक पहुंचा दिए जाते हैं, जिन्हें बातचीत, पंचायत, मीडिएशन या लोक अदालत के जरिये सुलझाया जा सकता है।

आम जनता को समझना होगा कि हर मामला न्यायालय में ले जाना ही समाधान नहीं, कई बार यह समस्या को और उलझा देता है। वकीलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। वे मुकदमे की दिशा तय करते हैं, मुकदमा लड़ा जाए या सुलझाया जाए। अगर वे केवल जीत-हार की सोच से ऊपर उठकर न्याय दिलाने की भावना से काम करें, तो लाखों मामले अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ सकते हैं। साथ ही, यह भी जरूरी है कि वकील फर्जी या दुर्भावनापूर्ण मामलों को दर्ज करने से परहेज करें और मुवक्किल को वास्तविक कानूनी रास्ता दिखाएं। इसी तरह पुलिस और जांच एजेंसियों की भी सीधी भूमिका है। जब समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं होती, जब जांच अधूरी रहती है, जब गवाहों की सुरक्षा नहीं होती, तब मामला खिंचता चला जाता है। न्याय प्रक्रिया तभी प्रभावी हो सकती है जब जांच समयबद्ध, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। कई मामलों में पुलिस की लापरवाही ही न्याय में देरी की सबसे बड़ी वजह बनती है। प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से लेना होगा।

जब भूमि विवाद, जाति प्रमाण पत्र, किराएदारी या राजस्व से जुड़े मामूली मसले प्रशासन द्वारा समय पर न सुलझाए जाएं, तो जनता के पास अदालत जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। ऐसे में तहसीलदार, एसडीएम और अन्य अधिकारी अपने स्तर पर सक्रिय रहेंगे तो कोर्ट का बहुत सारा भार हल्का किया जा सकता है।

वहीं मीडिया, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाता है, उसे भी जिम्मेदारी निभानी होगी। अक्सर देखा गया है कि मीडिया कुछ मामलों को इस तरह से उछाल देता है कि वह ह्यट्रायल बाय मीडियाह्न बन जाता है। इससे न केवल न्याय की प्रक्रिया प्रभावित होती है, बल्कि जनता का भ्रम भी बढ़ता है। मीडिया का काम है जनता को न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी देना, कोर्ट के फैसलों को सही संदर्भ में प्रस्तुत करना और जन-जागरूकता फैलाना है।

यदि मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाए, तो न्यायपालिका और समाज के बीच की दूरी को पाटने का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। और अंत में, सरकार और नीति-निमार्ताओं की भूमिका इस पूरी तस्वीर में केंद्रीय है। यदि जजों की संख्या पर्याप्त नहीं

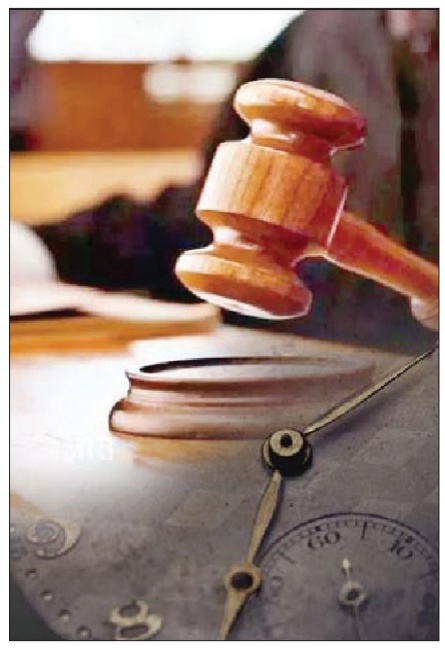

होगी, यदि अदालतों की इमारतें खस्ताहाल रहेंगी, यदि कोर्ट स्टाफ की ट्रेनिंग पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो कितने भी कार्य दिवस क्यों न बढ़ा दिए जाएं, नतीजे नहीं आएंगे। सरकार को न्यायिक बजट में बढ़ोतरी करनी चाहिए, ई-कोर्ट जैसी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना चाहिए और न्यायिक नियुक्तियों को प्राथमिकता के साथ निपटाना चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

J P Nadda: BJP president with nine lives

As the world's largest political party contesting serial elections, notching more hits than misses and running governments at the Centre and 14 states, the BJP is known to be a stickler for organisational propriety and discipline. It's no mean achievement considering that the exercise of executive and legislative power alters the dynamics within a party for the worse.

In the long years when the BJP was in the opposition, it scrupulously adhered to its own Constitution—as distinct from the Indian Constitution— particularly when confronted with imbroglios involving the leadership. The veto power lay with the extended family's head, the Rashtriya Swayamsevak Sangh, that had the last word and sometimes shot down the BJP's proposals and decisions to party leaders' discomfiture. The RSS's assertions were manifest after the BJP was seated at the Centre and some states. Competing pulls and pressures became inevitable as the playing field grew larger and the stakes for BJP leaders bidding for absolute power became apparent.In 1991, when L K Advani became the opposition leader in the Lok Sabha, without a fuss he relinquished the BJP presidency for Murli Manohar Joshi. The import of this act gets amplified when in 2005, he scripted encomiums for Muhammad Ali Jinnah during a visit to Jinnah's mausoleum in Karachi.

Following the first outcry of protest from Gujarat, where Prime Minister Narendra Modi was the chief minister and in the thick of fighting local body polls, Advani was pressured by the BJP and RSS's sarsanghchalak K S Sudarshan to quit office as the BJP chief. But ringed by a cabal of new friends and advisers who advocated the merits of converting to secularism, Advani fought back for a while and eventually gave up office. If the BJP and Advani had still not become the forces they were by then despite the BJP losing the 2004 election, the view was he would have acquiesced.

Notwithstanding the skirmishes in BJP-ruled states—most notably between two factions in Gujarat, of which one was aided by Modi, then a state general secretary—the party made it a point to hold organisational polls from the lowest tier every three years. Rivalries often surfaced at the mandal and district tiers, but these were quelled to allow the process of appointing a new president to go on. So far in its history, the top post was never contested in the BJP, unlike the Congress which held polls twice to elect its president. It was either the RSS's writ that prevailed, pre-empting the inevitability of a contest that would have undermined the Sangh's own authority or the parivar's unified purpose to reach the commanding heights which disallowed disruptions in an all-important quest for absolute power.The current incumbent, J P Nadda, leads a charmed life. The soft-spoken and amenable party president—who has no choice but to lie low in the highly centralised power structure run by the Modi-Shah duopoly—is nearly at the end of a five-year term. It's a record in a party whose Constitution stipulates two terms of three years each to a president. He stepped into the post once Amit Shah demitted office in 2019 on becoming a central minister.Nadda hangs on to the post even after his induction in the Union cabinet, which was believed to be the first sign that a successor was being readied. His continuance has virtually put to rest the 'one person, one post' principle. But who cares for the party's Constitution any longer? When an old-timer timorously brought up the subject of not adhering to the book at an internal meet, he was told that the Constitution existed because of the party and not the other way—so there was no need to obsess over its importance.

Where is the much-awaited successor? A plethora of names are bandied about periodically. But like the cat with nine lives, each time the succession chatter gains momentum, Nadda manages to survive. He was seldom embroiled in a controversy like his role model, former party president Kushabhau Thakre, who served during Atal Bihari Vajpayee's prime ministerial tenure.

Public faith in judiciary at stake

The higher judiciary serves as a bulwark against injustice. If the judiciary hesitates to step in to restore people's faith in a just order, we as a nation stand doomed.

A three-member committee comprising two Chief Justices of high courts and a judge of a third high court, selected by then Chief Justice of India (CJI) Justice Sanjiv Khanna, examined more than 60 witnesses and inspected the residential premises. The panel concluded that Justice Varma could not explain satisfactorily the presence of sacks ofRs 500 notes, some of them damaged by the fire.

The committee recommended impeachment proceedings against the judge as this was the course prescribed in the Constitution for the dismissal of a Supreme Court (SC) or high court judge.The CJI and the SC's Collegium of senior judges recommended Justice Varma's transfer back to the Allahabad High Court, his parent HC, in March itself. The CJI had instructed the Chief Justice of the Delhi High Court not to allot judicial work to Justice Varma while he was in the Capital.The CJI at that time had an onerous duty to perform. He was well aware that public trust in the integrity of the higher judiciary had to be salvaged. At the same time, no scope should be left for people to think that the judiciary at the highest level was involved in any form of cover-up of a recalcitrant brother judge. In my opinion, the CJI passed the test with distinction. He opted for transparency, a route rarely favoured by government agencies under attack.

The judiciary and the armed forces of the country are the only two institutions left which people still respect. All others, including the media to a great extent, have fallen by the wayside. If these holdouts are politicised or weakened by corruption, the present system of governance would slip into full-fledged dictatorship.

The higher judiciary serves as a bulwark against injustice. When winning elections at any cost becomes more important than ensuring good governance by upholding the rule of law, instances of injustice are bound to increase. If the judiciary hesitates to step in to restore people's faith in a just order, we as a nation stand doomed!Corruption in the judiciary is becoming a problem. The CJI and other senior judges should sit up and take notice. As corruption in society increases, as it is happening today, leaders from all walks of life should ponder over measures to combat the disease. Prime Minister Narendra Modi used to say that he would not touch tainted money and also not allow those under his watch to do so.It is to be noted that he has not been repeating this boast nowadays. Corruption in public life goes on as merrily as before. Even his party, which was voted to power in 2014 as it swore to end corruption, has not bucked the trend. Having completed 11 years in power, Modi's party is absorbing in its ranks assorted Congressmen, Shiv Sainiks and others who had been named and even prosecuted by his government for big-time corruption. An English term, "washing machine", has entered common parlance in Mumbai.

Former Cabinet Secretary BG Deshmukh was a good friend of mine. He and I, along with Dr Raj Kumar Anand, a leading paediatrician of Mumbai, formed the Public Concern for Governance Trust (PCGT). The Trust concentrates on college and school students, trying to make them good citizens by imbibing good values. We felt that this was the only way concerned citizens like us could contribute to fight corruption.A girl who served on the staff of our NGO competed for a First-Class Judicial Magistrate's appointment in Maharashtra. She was selected. Having worked with our NGO, where she herself was involved in spreading noble values among the youth, we are confident that there will be at least this one dispenser of justice to perform her dharma, as the Gita expects every good human to do without any expectation of a reward. The PCGT's trustees will follow her career with much interest.Reverting to Justice Varma's case, some previous impeachment proceedings went in vain. This may not happen this time round as the BJP has taken the correct stand, supporting the findings of the three-member committee which passed muster with the collegium of five senior judges of the Supreme Court. Opposition parties cannot afford to vote against this motion.

In a court of law, it might have been more difficult, though not impossible, to sustain the charges. The main omission of counting the burnt and unburnt notes could come to the rescue of the accused. The leading legal luminary who has taken the judge's brief will certainly play up this defect in the prosecution case.The firemen and the security detail who were the first responders talked of sacks of currency notes and burnt notes scattered on the ground. If a HC judge was not involved, the panchnama would have been drawn up. It would have sealed the culprit's fate. But the imperative of informing the CJI and getting his consent at each stage threw up impediments to the normal procedure.

Three judges of repute have concluded that sacks of money were seen by the first responders but were removed by Justice Varma's personal staff before the Delhi High Court officials could arrive at the scene. The then CJI's decision to hide nothing from the public and keep it informed at all stages has helped to build public trust in the higher judiciary, but there is a long road ahead.

Develop a robust aviation maintenance ecosystem in India

The safety of the millions flying every day rests squarely on ensuring the regulator tasked with overseeing it has the resources to perform its job. The recent crash unequivocally underscores this

The recent Air India crash, whose causes are still being investigated, casts a harsh light on an issue critical for aviation safety—the country's maintenance, repair and overhaul (MRO) ecosystem. It's not merely about fixing aircraft, but having a well-regulated backbone to ensure that every plane taking off is fit to do so. MRO is not an option; it's a critical pillar of aviation safety. However, the sector is in a nascent stage in India even after years of regulatory efforts to establish an ecosystem. The crash and the frequent flight cancellations due to technical glitches should be seen as a warning for the government to address the challenges the sector faces and clear the hurdles to its development.The Directorate General of Civil Aviation (DGCA)—the body that oversees aviation safety and enforces MRO standards in the country—faces its own share of challenges. A Parliamentary Standing Committee report tabled just days before the Air India incident highlighted that the DGCA is facing a staggering 53 percent vacancy. How can the country's primary safety regulator effectively audit MRO providers, ensure compliance with complex civil aviation requirements and oversee a rapidly expanding sector—reflected in the number of airports growing from 74 to 220—with over half its sanctioned posts vacant? Similarly high levels of vacancy plague the Bureau of Civil Aviation Security, which is responsible for security, and the Aircraft Accident Investigation Bureau. All this adds up to a systemic oversight deficit in the country.The domestic MRO sector is hobbled by some inherent deficiencies. A Niti Aayog report has highlighted manufacturing monopolies that restrict access to vital data and manuals, inadequate infrastructure such as modern hangars and specialised training facilities, and a lack of universal recognition for DGCA's certifications, which severely hinders India's ability to undertake high-value MRO work. While policy adjustments like GST reduction are welcome steps, they alone cannot address the foundational issues hampering the sector's growth and efficacy. The safety of the millions flying every day rests squarely on ensuring the regulator tasked with overseeing it has the resources to perform its job. The recent crash unequivocally underscores this. Building a robust MRO infrastructure and filling critical regulatory vacancies are not avoidable expenses—they are essential investments needed to save lives.

Family values: Court affirms Tamil Nadu's inclusive gender traditions

Madras High Court's ruling that same-sex couples can form a family is a testament to Tamil Nadu's progressive legacy rooted in Indic traditions, activism and legal reforms. The state has led in establishing significant milestones for LGBTQIA+ rights in the country

In a landmark ruling delivered earlier this month, the Madras High Court affirmed that same-sex couples can form families without legal marriage. It marked a major milestone for LGBTQIA+ rights in India, particularly in Tamil Nadu. Emerging from a habeas corpus petition, the ruling addressed the case of a 25-yearold lesbian woman detained by her natal family. Her partner sought her release so that they could live together. While securing her freedom, Justices G R Swaminathan and V Lakshminarayanan expanded the definition of family under Indian law, emphasising personal autonomy and right to self-determination.

It comes decades after the 2002 suicide of two lesbian women in Erode's Satyamangalam forest after facing societal rejection of their relationship. Despite this, the 2025 verdict builds on Tamil Nadu's progressive legacy rooted in both legal reforms and Indic traditions fostering wider acceptance of diverse identities. The verdict signals progress while recognising the concept of a "chosen family" under Article 21 of the Constitution, which guarantees life and personal liberty. The court's assertion that "marriage is not the sole mode to found a family" validates non-traditional relationships and offers hope where despair once prevailed.Despite a section of society refusing to accept gender-diverse communities, every May to July, vast numbers of indigenous gender-variant and diverse SOGIESC (sexual orientation, gender identity, expression, and sex characteristics) communities in south India honour their patron deities at temples such as those for Koothandavar Aravan in Tamil Nadu, and for Ellamma, Bhagavati and Mariamman across the region. These communities enact gender-specific Hindu rituals, which have historically provided sacred spaces for early LGBTQIA+ activism. This cultural acceptance, though not universal, has helped shape a more inclusive societal framework and complemented the legal efforts.

The court's legal reasoning in the latest case was meticulous. The detainee confirmed her lesbian identity and desire to live with her partner, exposing familial coercion. The judges, referencing the Supreme Court's 2023 ruling in the Supriyo @ Supriya Chakraborty case, noted while same-sex marriage remains unrecognised, same-sex couples can still form families. The court criticised police inaction and directed law enforcement to protect the couple, reinforcing the judiciary's role in safeguarding individual rights against societal and familial pressures

Tamil Nadu's history of activism and legal milestones has been crucial in reaching this point. In 1994, former Chief Election Commissioner T N Seshan granted voting rights to transgender individuals, setting a precedent for inclusion. In 2004, advocate G R Swaminathan, now a judge, secured voter identity cards for transgender people, prompting the state to publicise their voting rights. By 2006, a government order aimed to improve transgender living conditions, promoting counseling to prevent disownment and ensure educational access.

In 2008, Tamil Nadu established a transgender welfare board, and in the early 2000s, it introduced one of India's first transgender welfare policies, offering free gender-affirming surgeries and socio-economic benefits. Asia's first Genderqueer Pride Parade and Education Fest for school children and college students were organised in 2012. Anjali Gopalan of Naz Foundation flagged off the event in Madurai.In 2019, the Madurai bench of the Madras High Court led by Justice Swaminathan banned forced sex-selective surgeries on intersex infants, making Tamil Nadu the first state to do so. It also

became the first to recognise and register marriages of transgender and intersex persons under the Hindu Marriage Law, amend police guidelines to prevent harassment of the LGBTQIA+ community, ban conversion therapy, and include LGBTQIA+ issues in curriculums in 2017.

Organisations like Srishti Madurai and Orinam Collective have supported these efforts through legal petitions, providing shelters, funds and organising workshops, pride parades, embedding queer rights within Tamil Nadu's cultural and legal fabric. Today, the Tamil has native terminologies for diverse SOGIESC identities, which is missing in many Indian languages.

Festivals and rituals at temples like Koothandavar Aravan, where gender-diverse individuals are celebrated, has provided a foundation for LGBTQIA activism. These sacred spaces, where GIESC communities perform rituals honoring deities associated with fluid gender identities, have historically challenged societal norms, fostering a sense of belonging and resistance against discrimination. This cultural acceptance, though not without resistance, has been a catalyst for legal victories, like the latest ruling, which resonates with the communal spirit of these traditions.

Despite these advancements, challenges persist. The 2002 suicide underscores the personal struggles behind legal battles. Activists say societal acceptance often lags behind legal progress, with financial hardships and exclusion remaining prevalent.The latest verdict complements rulings by former Chief Justice D Y Chandrachud and Justice Venkatesh of Madras High Court, creating an ecosystem where personal identity and relational freedom are upheld as matters of dignity and public interest, the ruling has sparked broader discourse on queer rights, inviting debate on legal recognition of diverse family structures. It signals a future where all, regardless of sexual orientation, can live with integrity and autonomy.

The ruling is a testament to the enduring power of activism Activists are continuing to push for comprehensive legal recognition, including same-sex marriage, and cultural acceptance to address ongoing discrimination. Building on decades of progress, the latest judgement ensures that love in all its forms is protected, offering a path towards an inclusive future where past tragedies are not repeated.

Sensex ends 300 points higher, Nifty above 25,600; Jio Financial shares jump 4%

New Delhi. Benchmark indices closed higher for the fourth straight session on Thursday, buoyed by easing global concerns and renewed foreign inflows.

The S&P BSE Sensex rose 303.03 points to end at 84,058.90, while the NSE Nifty50 gained 88.80 points, settling at 25,637.80. All broader market indices also finished in positive territory as volatility eased, bringing both key benchmarks within striking distance of new record highs.Vinod Nair, Head of Research at Geojit Financial Services, said recent global developments have lifted market sentiment."Key catalysts like the ceasefire in the Middle East and optimism around easing trade tensions have cleared investor concerns. After several sessions of selling, FIIs have turned net buyers, which is helping stabilise the market," he said.

"Benign oil prices, a stronger rupee, and steady macroeconomic indicators are driving interest in domestic growth themes. Expectations of stronger earnings, supported by resilient consumption, are further boosting optimism."

Pump and dump scam: Sebi says has raided many shell companies

MUMBAI. Markets watchdog Sebi has confirmed reports in a section of the media that it had carried out raids in multiple locations and on multiple shell companies for what it considers to be cases of pump and dump scams."Sebi has conducted search and seizure operations at multiple locations in June in connection with pump and dump in certain scrips and has seized incriminating evidence," Sebi said in a statement Friday, confirming various news reports regarding its raids in the pump and dump scam."Further investigatio in the matter is under progress," the regulator added in the statement without offering any more details such as the number of companies raised or the value of the alleged scam etc.Some section of the media has been reporting since last week that Sebi raided around two dozen shell companies involved in the Rs 300-crore pump and dump' scheme across Ahmedabad, Mumbai and Gurugram. These raids are one of the biggest in Sebi's history in terms of monetary value.

The raids primarily involved 15-20 shell companies which were allegedly created by promoters of some listed companies to pump and dump their own shares. At least two listed agro-tech companies along with their promoters are said to be at the helm of the alleged network, sources had said."Sebi has seized several documents including company documents, rubber stamps. Preliminary assessment suggests the scam was at least Rs 300 crore, however more details would emerge once the seized documents are analysed," a source was quoted by one such report.

Generally, in cases of pump and dump schemes, Sebi issues an order against the entities. In in very few cases, Sebi also uses its search and seizure powers against the entities like in the current case.The pump and dump scam works in the following manner: promoters create shell companies and register them as proprietary traders which will buy and sell the company stocks later. In the past, there have many instances where Sebi has gone after promoters of small and mid-cap companies for manipulating their stocks.In a pump and dump scheme, entities related to the scamsters first start buying shares of own companies in large numbers to drive up the stock price and once the price has gone up significantly, it catches the attention of retail investors and the manipulators then exit the stock at a profit by selling the shares to gullible retail investors.

Output of farm sector rises to Rs 29.49 lakh crore in FY24: Govt data

New Delhi. The Gross Value of Output (GVO) from the agriculture and allied sector increased 54.6 percent from FY12 to FY24 to Rs 29.49 lakh crore at constant prices, the National Statistics Office (NSO) said on Friday.The NSO, part of the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI), has released the annual publication of 'Statistical Report on Value of Output from Agriculture and Allied Sectors (2011-12 to 2023-24)'."Gross Value of Output (GVO) from the agriculture and allied sector at constant prices has shown steady growth from Rs 1,908 thousand crore in 2011–12 to Rs 2,949 thousand crore in 2023–24, marking an overall increase of approximately 54.6 percent," NSO said.It further said the Gross Value Added (GVA) of agriculture and allied sectors at current prices registered a growth of about 225 percent, increasing from Rs 1,502 thousand crore in 2011-12 to Rs 4,878 thousand crore in 2023-24.

The publication is a comprehensive document that provides detailed tables on values of output of crop, livestock, forestry and logging, and fishing and aquaculture sectors of agriculture and allied activities from 2011-12 to 2023-24 at both current and constant (2011-12) prices.The detailed publication comes after the major aggregates at the all-India level have been released in the form of National Accounts Statistics on 28th February 2025, NSO said.According to the data, the crop sector with GVO at Rs 15.95 lakh crore remains the largest contributor to total GVO (at constant prices) of agriculture and allied sectors with a share of 54.1 percent in 2023-24. Cereals and fruits and vegetables together accounted for 52.5 percent of total crop GVO in 2023-24.Among the cereals, only paddy and wheat constituted approximately 85 percent of GVO (at constant prices) of all cereals in 2023-24.Five states—Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Punjab, Telangana, and Haryana—contributed nearly 53 percent of GVO (at constant prices) of cereals in 2023-24.With a reduced share (18.6 percent in 2011-12 to 17.2 percent in 2023-24), Uttar Pradesh maintained the top position, according to the NSO data.In the fruit group in 2023-24, the constant price GVO of bananas (Rs 47,000 crore) has surpassed that of mangoes (Rs 46,100 crore). Mango was the top-most contributor in GVO (at constant prices) in the fruit group consistently from 2011-12 to 2021-22.

IndusInd Bank shortlists 3 names for top job ahead of RBI deadline

The bank is run by an RBI-approved executive committee comprising its consumer banking head Soumitra Sen and the chief administrative officer Anil Rao.

MUMBAI. The troubled IndusInd Bank, which has been headless since late April when the scam-tainted chief executive Sumant Kathpalia and his deputy Arun Khurana resigned owning moral responsibility for the massive losses in its forex derivatives trading book, has reportedly shortlisted three names--Rajiv Anand of Axis Bank, Anup Saha of Bajaj Finance, and Rahul Shukla of HDFC Bank--to man the top deck.While Rajiv Anand is currently the deputy managing director of Axis Bank, Anup Saha is the managing director of Bajaj Finance, and Rahul Shukla is the group head of commercial and rural banking at HDFC Bank and is on a sabbatical from the largest private sector bank.

While Sumant Kathpalia resigned on April 29, his deputy Arun Khurana did so a day before. Both had cited moral responsibility for the scam for the decisions to leave, which came in well after seven weeks since the crisis came out. Both have also been banned by the market regulator from the market for insider trading—they had pocketed over Rs 157 crore from selling bank's shares in 2023-24.Since their resignations, the bank is run by an RBI-approved executive committee comprising its consumer banking head Soumitra Sen and the chief administrative officer Anil Rao. According to a source in the know of the development, the board of the Hinduja group-promoted bank is expected to clear these names and submit the list to the Reserve Bank for approval any day now before the regulatory deadline of June 30.

The regulator has also asked the board to suggest probable names only from

outside IndusInd Bank. During a recent analyst call, IndusInd chairman Sunil Mehta had assured stakeholders that the names would be submitted well before the deadline.The upcoming leadership change is seen as a crucial development for the bank, which has been in focus since early March when it was forced by the RBI to inform all stakeholders that it made accounting mistakes in the forex derivatives books for several years and that it would have to make provisions to the tune of 1.35% of its net worth as of December 2024 when it was Rs 64,000 crore.But the bank on May 22 said while announcing the March quarter earnings that the losses were much higher at Rs 2,329 crore. It had booked a net profit of Rs 2,349 crore in the year-ago period. Most of the loss was due to the impairment in its forex derivatives book, which the management first said would be only around Rs 1,600 crore.The lender reported net interest income of just Rs 3,048 crore in Q4 a whopping 43% less from Rs 5,376 crore a year ago.The 59-year-old Rajiv Anand of Axis Bank has over 35 years of experience in the financial services sector. He began his journey at Axis Asset Management Company in 2009 as its founding managing director and chief executive. In 2013, he moved to Axis Bank as president of retail banking, eventually joining the board in the same year.

HDFC Bank slashes FD and savings rates again in June. Details here

HDFC Bank's latest changes signal that deposit rates could remain soft if the RBI continues its rate-cutting cycle. Depositors should review their plans, stay updated with rate changes, and make informed decisions before booking new FDs or Rds.

New Delhi HDFC Bank has again cut its fixed deposit (FD) interest rates this month. This is the second rate cut in June 2025 for India's largest private bank. From June 25, 2025, the bank has lowered the interest rate on single FD tenures by 25 basis points (bps) for deposits below Rs 3 crore.This follows a similar cut made earlier on June 10, 2025, after the Reserve Bank of India (RBI) reduced the repo rate by 50 bps, from 6% to 5.5%.

WHICH FD TENURE IS AFFECTED?

HDFC Bank has reduced the interest rate on FDs with a tenure of 15 months to less than 18 months. Earlier, this rate was 6.60% for general customers and 7.10% for senior citizens. Now, it is 6.35% for general customers and 6.85% for seniors.The bank offers FD rates from 2.75% to 6.60% for the general public (for 18 months to less than 21 months) and 3.25% to 7.10%

for senior citizens for amounts under Rs 3 crore.PENALTY FOR PREMATURE WITHDRAWAL

If you need to break your FD early, remember that the bank charges a penalty. According to HDFC Bank's rules, if you withdraw your FD before maturity, you will get 1% less than the rate applicable for the period your money stayed with the bank, and not the original contracted rate.

SAVINGS ACCOUNT RATES ALSO REDUCED

Along with the FD rate cut, HDFC Bank has also lowered the interest rate on all savings accounts. From June 24, 2025, the savings rate is down by 25 bps, i.e., from 2.75% to 2.50% per annum for all balances.The savings account interest is calculated daily and paid every three months.

WHAT ABOUT RECURRING DEPOSITS?

The bank's recurring deposit (RD) interest rates remain between 4.25% and 6.60% for general customers and 4.75% to 7.10% for senior citizens, depending on the deposit period. These rates have been in effect since June 10, 2025.

WHAT IT MEANS FOR CUSTOMERS

With two rate cuts in a single month, HDFC Bank customers will now see slightly lower returns on fresh FDs and savings accounts.

Weekly Review: Gold prices fall as investors turn away from safe-haven assets

CHENNAI. Gold prices have recently declined, marking their second consecutive weekly loss, as global investors increasingly shift focus away from traditional safe-haven assets. The weakening demand for gold comes amid a broader surge in risk appetite, buoyed by rising equity markets, easing geopolitical tensions, and firming expectations of a stable macroeconomic environment.

In India, the precious metal prices have eased this week, offering a potential buying opportunity. On June 28, the price for 22-carat gold fell by about Rs55 per gram from the previous day—now around Rs. 8,930 per gram—while 24-carat gold was Rs. 9,742 per gram. Over the last ten days, 22-carat prices have dropped from Rs. 9,265 on June 19 to Rs. 8,930 on June 28—a fall of roughly Rs. 335. Similarly, 24-carat gold fell from Rs. 10,108 to Rs. 9,742—a Rs. 366 decline.

This downward trend reflects a broader global correction, driven by easing geopolitical tensions (such as the Israel-Iran ceasefire), a stronger dollar, and rising U.S. Treasury yields reducing the appeal of non-yielding assets like gold . In MCX futures, domestic prices dropped about Rs. 1,630 per 10?g this week amid reduced safe-haven demand. For buyers, this dip may be a good chance to purchase jewelry or invest—but it's wise to monitor global trends, interest rates, and inflation data for future movements.

Spot gold dropped by approximately 1.2% to around $3,288 per ounce, while US August futures fell by 1.7%, closing the week with a nearly 3% decline. This drop reflects investor preference for higher-yielding or growth-oriented assets, with the Nasdaq hitting fresh record highs—signaling a strong risk-on sentiment in the market. Gold's earlier rally, which saw prices touching historic highs earlier this year, has also prompted technical profit-taking, accelerating the recent sell-off.

EPFO may soon allow direct EPF withdrawals via ATMs and UPI

New Delhi EPFO members may soon get the option to withdraw their Employees' Provident Fund (EPF) money directly using ATMs or UPI, once their bank accounts are linked with their EPF.

NEW SYSTEM IN WORKS

A senior official has shared that the labour ministry is working on this new plan. To make this work, EPF accounts will be linked with members' bank accounts.A part of the EPF amount may be kept frozen, but a large portion will be available to withdraw using debit cards or UPI.CURRENT WITHDRAWAL PROCESS

Right now, if you want to withdraw your EPF money, you have to file a claim online or offline. This process can take time. Even though the EPFO does have an auto-settlement system where claims are cleared within three days, you still have to submit a claim.

Recently, the EPFO increased the auto-settlement limit from Rs 1 lakh to Rs 5 lakh. This means members can get up to Rs 5 lakh cleared automatically within three days for things like medical expenses, education, housing, or marriage.WHY IS THE CHANGE NEEDED

The EPFO, which serves over 7 crore people, first brought in online auto-settlement for advance claims during COVID-19 to help members in financial need. Yet, people still need to file claims to get their EPF. The new plan hopes to cut out this step and lighten the EPFO's load, as it deals with over 5 crore withdrawal requests annually.The official added that this new plan aims to cut down on paperwork and save time for both the EPFO and its members. However, the EPFO cannot directly allow cash withdrawals like a bank because it does not have a banking licence. So, the government is trying to upgrade EPFO's services so they work more like regular bank services.

Wall Street rallies to record highs as AI stocks soar, recession fears ease

US stock markets hit all-time highs on Friday thanks to an AI boom and Fed hints at looser policy ahead. Trade deals with the UK and China have also fuelled market hopes that a global recession could be avoided.

New Delhi. The S&P 500 and Nasdaq Composite hit all-time highs on Friday as megacap stocks surged on renewed AI enthusiasm and the prospect of a looser monetary policy, powering a recovery in US stocks from months-long rout.The benchmark index rose 0.2% to 6,154.81 points, surpassing the previous peak of 6,147.43 on February 19, while the tech-heavy Nasdaq gained 0.3% to 20,229.31 points, exceeding its record high of 20,204.58 on December 16.Markets rallied this week as an upbeat forecast from chipmaker Micron brought back investor confidence around artificial intelligence, while AI bellwether Nvidia hit a record high to reclaim its position as the world's most valuable company.Risk appetite also benefited from a US-brokered ceasefire to a 12-day air battle between Israel and Iran that sparked a jump in crude prices and raised worries of higher inflation.Dovish remarks from Federal Reserve policymakers have also aided sentiment.Trump's April 2 "reciprocal tariffs" on major trading partners and their chaotic rollout had put the S&P 500 within a striking distance of confirming a bear market when it ended down 19% from its February 19 record closing high.The Nasdaq had tumbled 26.7% from its previous peak, marking a bear market days after Trump's "Liberation Day" on April 2.Since then, US trade deals with the UK and China have firmed up market expectations for more such agreements on the hopes that a global recession could be avoided.The S&P 500 has surged more than 23.5% and the Nasdaq about 32% since their recent lowest close on April 8, largely powered by a handful of megacap stocks such as Microsoft, Nvidia, Meta Platforms and Amazon.If the Nasdaq closes above the December 16 record close at 20,173.89, it would be the end of the bear market and start of a new bull market, according to common definitions.A bear market is defined as a 20% decline from a record high close, on a closing basis.Both the Nasdaq and S&P 500 have gained 4.4% this year as of Thursday's close. The blue-chip Dow has risen about 2% this year and remains about 3.7% below its all-time peak.

In first meeting of MCD's Standing Committee, 25 proposals get nod

The delay caused due to a tussle between AAP and BJP had ended with the appointment of BJP councillor Satya Sharma as chairperson on June 12

Agency New Delhi.

Poor sanitation, dog menace, monsoon preparedness, and status of desilting were among the few issues discussed on Friday at the first meeting of the Municipal Corporation of Delhi's (MCD) Standing Committee, a body set up after a delay of two-and-a-half years.

The delay caused due to a tussle between AAP and BJP had ended with the appointment of BJP councillor Satya Sharma as chairperson on June 12. Every project worth over Rs 5 crore needs to be passed by this committee.

At the meeting on Friday, Sharma announced that the deadline for availing a 10% rebate on property tax has been extended till July 31.

Over 25 items on the agenda were passed at the meeting, including the purchase of Diflubenzuron 25% WP, used to kill mosquito larvae in its initial stage. This is in line with the initiative taken up by MCD's Public Health department to prevent and control of vector-borne diseases ahead of the monsoon.

Also passed were items related to the revision of the layout plan of DDU Marg, as well as Delhi University colleges, including Shri Ram College of Commerce (SRCC) and St Stephen's College.

The proposal for SRCC included the construction of a new academic block and the addition of two floors for a girls' hostel. The approval for this proposal had been pending since 2012. For St Stephen's College, the approved proposal included the addition of a new academic block, a hostel block, staff quarters, and an auditorium block. A proposal in this regard had been pending for the last 10 years.

The meeting also approved the extension of contract for private security services, sanitation workers, and housekeeping staff at MCD-run hospitals such as Kasturba Hospital, Rajan Babu Institute of Pulmonary Medicine and Tuberculosis and Maharishi Valmiki Infectious Diseases Hospital.

Leader of Opposition, AAP councillor Ankush Narang, meanwhile, raised the issue of poor sanitation in Central, West, and South zones, questioning the budget sanctioned to each councillor.

At the meeting, councillors sought status and data on drains desilted ahead of monsoon, open drains, JJ Colony clusters, encroachments, illegal parking, and vacant posts of sanitation workers, among others.

A civic body official said, "Authorities have hastened the process of desilting. Till now, 1.56 lakh metric tonne of silt has been removed, while 37,000 small drains have been desilted against the 40,000 target."

Delhi bans fuel for old vehicles from July 1: How will defaulters be tracked?

Agency New Delhi.

Starting July 1, Delhi will stop supplying fuel to all overage vehicles. As part of this effort, the Transport Department, the Traffic Police, and the Municipal Corporation of Delhi (MCD) will work together to identify hotspots that see a high number of such vehicles attempting to pass through the city. These vehicles will be identified by ANPR (Automatic Number Plate Recognition) cameras that have been installed at 498 fuel stations, officials said Friday.

According to directions issued earlier this year by the Commission for Air Quality Management in NCR and Adjoining Areas (CAQM), all end-of-life vehicles (ELVs) — 10 years for diesel vehicles and 15 years for petrol ones — will be denied fuel starting Tuesday. From October 31, the plan comes into effect in five high-vehicle-density districts of Gurgaon, Faridabad, Ghaziabad, Gautam Buddha Nagar, and Sonipat.

Niharika Rai, Secretary-Cum-Commissioner, Transport Department, said the number of ELVs arriving at a fuel station will be noted, as it could be a proxy for vehicle owners residing in nearby areas. Targeted action will be taken at such fuel stations, Rai said. "Joint teams of the transport department, traffic police and MCD will be deployed at all identified fuel stations reporting a high number of such vehicles."

Ajay Chaudhary, Special Commissioner (Traffic), Delhi Police, said, "The departments are still assessing how the teams should be deployed as a few fuel stations work around the clock, but others work for a few hours." He emphasised that there will be no loopholes and the plan will be implemented stringently, as all staff at fuel stations have also been trained.

Faridabad murder: Police await post-mortem report to confirm rape by victim's father-in-law

Agency Faridabad.

The Faridabad police, probing the murder of a 25-year-old woman, whose decomposed body was found buried in a pit, is awaiting the post-mortem report to confirm the rape confession of the victim's father-in-law, who allegedly strangled her in April.

The Crime Branch-DLF, Haryana Police, have added rape charges against the father-in-law, who was arrested on June 20, the same day the woman's body was recovered outside his house in Faridabad.

A police officer told while the accused had stated during interrogation that he had allegedly raped the deceased, before the murder, they are awaiting the medical and post-mortem reports of the deceased are still awaited. "He did not tell the family about the (alleged) rape," the officer said.

Five days after the decomposed body was found beneath a concrete slab, the Crime Branch on June 25 arrested her mother-in-law in the case. The case was initially being probed as a dowry dispute.

The father-in-law had allegedly confessed that the family had conspired to murder the daughter-in-law due to ongoing domestic disputes, including talks of divorce.

According to the police, the father-in-law had allegedly revealed that he and his family had plotted the murder a week before the incident. On April 21, he allegedly sent his wife to her relatives in Uttar Pradesh. The same day, a pit was dug outside their house, the police had said.

The victim was allegedly given sugarcane juice laced with sleeping pills by the father-in-law, and later that night, while she was unconscious, he strangled her with a dupatta. Her body was then buried in the pit with her husband's assistance, the police said, adding that the family subsequently reported that she had gone missing to mislead people. The police had initially registered a missing case based on a complaint by the husband on April 25. While the husband is absconding, the role of the husband's sister is under investigation. However, the police intensified the investigation following suspicions and complaints from the deceased's father that her in-laws were involved in her disappearance.

Minor boy, tailor stabbed to death in separate incidents in Delhi's Rohini

Agency New Delhi.

Two people, including a 15-year-old boy, were stabbed to death in separate incidents which took place within a span of two hours in Rohini's Aman Vihar area on Thursday evening, the Delhi Police said.

According to the police, at 8.30 pm on Thursday, they received a call about two siblings being stabbed by a group of people in the Aman Vihar area, with one of them succumbing to the injuries. The deceased was identified as Praveen, 25, a tailor who had been living in Aman Vihar's Balveer Nagar for the past two months.

A police team rushed his brother Deepak to Sanjay Gandhi Hospital where he was reportedly in a critical condition.

A police officer said Praveen and Deepak were on their way to buy vegetables on Thursday night when some assailants attacked Praveen with knives. Deepak intervened to save his brother, but was also stabbed by the attackers, who then fled.

"Praveen had an altercation with some local residents earlier this month, and they were allegedly looking for revenge. The assailants have been identified and attempts are being made to nab them," an officer said.

Just two hours before the incident, at 6.30 pm, Aman Vihar police received another call about a 15-year-old boy being stabbed to death by boys in his neighbourhood.

According to a senior police officer, the boys who attacked the Class 10 student had an argument with him and his friends at a park in Rohini's Sector 20. "Three to four boys came to the park where the deceased was with his friends. The deceased got into an argument with the visiting boys, who then started beating him," a police officer said. Four friends of the deceased then stepped in to help him, upon which the attackers took out knives and stabbed all five.

The police rushed all five injured to Sanjay Gandhi Hospital, where the 15-year-old boy was declared dead.

His friends are currently under treatment, the police added. No arrest was reported in connection with the stabbings till Friday night.

Delhi BJP chief accuses ILBS of labour & PF law violations

In his letter, Sachdeva wrote, "The specific issue relates to PF contributions being made by the institute, which, as per information received, are not in compliance with statutory requirements"

Agency New Delhi.

Delhi BJP president Virendra Sachdeva has written to Central Provident Fund Commissioner Ramesh Krishnamurti alleging serious violations of labour laws and provident fund regulations at the Institute of Liver and Biliary Sciences (ILBS), an autonomous institution under the Delhi government.

In a letter dated May 15, Sachdeva alleged that the employer's contribution towards provident fund (PF) at the super-speciality hospital for liver and biliary diseases is reportedly limited to only 8% of the employees' salaries, in contravention of the statutory requirement of 12%. He alleged that an equivalent amount is deducted from employees' salaries.

When asked, ILBS Director Dr S K Sarin said, "So far, I have not received any complaint from anyone." Sarin further said that he will look into the details as soon as he receives any official intimation.

In his letter, Sachdeva wrote, "The specific issue relates to PF contributions being made by the institute, which, as per information received, are not in compliance with statutory requirements."

"The salary figures submitted to the Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) are shown to be lower than the actual amounts, thereby misrepresenting the contribution as compliant," he added. This manipulation not only violates the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952, but also undermines the financial security of the employees, he further said.

"Moreover, it is alleged that these actions are taking place with the full knowledge and complicity of senior officials at the institute. Employees, most of whom are on contractual appointments, reportedly refrain from raising these issues formally due to fear of termination and other reprisals. I am also informed that these irregularities have been going on for a few years now and largely unchecked," he said in his complaint. Despite attempts, Sachdeva could not be contacted for a response.

Delhi: Man on scooter dies after throat slit by Chinese manjha

Agency New Delhi.

A 22-year-old man died after his throat was slit by a banned Chinese manjha — a sharp string used for flying kites — while he was riding his scooter near Bara Hindu Rao Hospital in North Delhi on Friday evening. Chinese manjha, which is coated with glass, metal, or other sharp materials, has been banned in the Capital since 2017.

Police said the victim, Yash Goswami, a resident of Karawal Nagar, was on his way home when he came in contact with the sharp thread near the Rani Jhansi flyover. "Goswami suffered a deep cut on his neck, causing him to collapse on the spot. He was rushed to the hospital by passersby, where he was declared dead on arrival," a police officer said.

Goswami used to run an auto parts shop in Karol Bagh. He was alone at the time of the incident but was wearing a helmet, the officer added.

Police said a case under Section 106(1) (causing death by negligence) of the BNS has been registered against unknown persons at Bara Hindu Rao police station. "The crime scene was inspected by the forensics team, and strands of Chinese manjha were recovered from the body as well as from the scooter," another officer said.

This is not the first incident of Chinese manja claiming lives in the Capital. In July 2023, in West Delhi's Paschim Vihar, a seven-year-old girl lost her life after the thread slit her neck while she travelling with her parents on a scooter.

Last year, in August, a 47-year-old Assistant Sub-Inspector (ASI) of the Delhi Traffic Police and a 34-year-old businessman were injured by the abrasive string in two separate but similar incidents in Northeast Delhi. Cracking down on the illegal stocking of Chinese manja, the Delhi Police Crime Branch had conducted a raid in Rohini in August 2024. During the raid, they recovered around 12,000 reels of illegal Chinese manja and arrested three people for stocking it.

This park in Delhi could soon be 'pollution-free'. Here are the details

The previous AAP Delhi government had explored various measures to control air pollution, including the installation of two smog towers at Connaught Place and Anand Vihar

Agency New Delhi.

The Delhi government has an ambitious plan up its sleeve to turn the famed Nehru Park in the diplomatic enclave of Lutyens' Delhi into a 'pollution-free zone' — by installing 'modern air purifiers' equipped with a unique system to capture and store polluting particles, said officials.

According to Environment Minister Manjinder Singh Sirsa, the New Delhi Municipal Council (NDMC) first installed the air purifiers on a trial basis at four locations — Anand Vihar ISBT in 2023, Ambassador hotel in Khan Market, and New Moti Bagh in 2024, and Jangpura in January 2025 — which were successful. "The government is planning to extend this initiative on a large-scale basis, starting with Nehru Park… The premises has a good green cover. But when the air-quality level deteriorates overall, it also affects this space — even if the AQI is better than other locations. So, with these machines, we want to make this park pollution-free," he said. Officials said the locations for the trial run were selected based on whether they saw a large influx of vehicles or where pedestrian footfall was high.

"For instance, Anand Vihar-ISBT sees buses passing through, it has a high footfall, and there is construction work going on. So, this spot was suggested by the Commission for Air Quality Management. In Jangpura, the machines were installed at a petrol pump, which also sees vehicles passing through. As for the two other locations, one is a residential area and the other a hotel. Thus, the key aim is to reduce harmful exposure to people in outdoor spaces that see a high footfall," said an official.

Delhi govt schools directed to set up Special Admission Cells for children out of school

The cells have been tasked with ensuring smooth and time-bound admission of identified out-of-school children, including those with special needs, in Delhi.

Agency New Delhi.

Delhi's Samagra Shiksha Department has directed the heads of all government schools, including that of the Directorate of Education (DoE), Municipal Corporation of Delhi (MCD), New Delhi Municipal Council (NDMC) and the Delhi Cantonment Board (DCB), to set up Special Admission Cells (SAC) for children who were never enrolled.

According to a circular issued on Thursday, the department aims to "strengthen and streamline the admission process of never-enrolled Out-of-School children (OOSC), including Children with Special Needs (CWSN)" as well as students who dropped out of the school system due to any reason.

These cells need to comprise the school head, admission in-charge and an educational and vocational guidance counsellor (EVGC) or a representative of similar expertise from the management belonging to MCD, DCB or NDMC authorities. There also has to be a Cluster Resource Centre Coordinator (CRCC) to give data to the cell.

The SAC has been tasked with ensuring smooth and time-bound admission of identified out-of-school children, including Children with Special Needs. It is also expected to guide and counsel parents and children during the admission process. According to the circular, the SAC should ensure minimal documentation and coordinate with the school head and Special Training Centre (STC) teachers for enrolment support. Other responsibilities listed include:

To monitor retention, attendance

Follow up on absenteeism and academic progress of the admitted out-of-school children. These need to be done by maintaining their records.

Review the progress of out-of-school children by holding periodic meetings

Coordinate with the Cluster Resource Centre Coordinator to update the Unified District Information System for Education (UDISE+) data from time to time

Identify and address dropout cases

Identify issues and counsel parents, resolve difficulties

Ensure timely re-enrolment of affected children

Prepare fortnightly reports on identified out-of-school children

The reports should include the admission status of the children, their attendance in schools and Special Training Centres, status of textbook supply, uniform, writing material, assessment status and mainstreaming plan, among others which should be provided to the Samagra Shiksha headquarters through district project offices.

According to the department's standard operating procedure for out-of-school children, their identification is done "to admit them in regular class/STC at the earliest." They should be given admission in a regular government school immediately in the age-appropriate class where learning assessment of the child is done. This is to mainstream the child as after the assessment, the child may be recommended schooling in regular class or STC for a bridge course, as per the stage of learning.

NEWS BOX

Netanyahu denounces report that Israeli soldiers have orders to shoot at Palestinians seeking aid

JERUSALEM. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu and Defense Minister Israel Katz emphatically rejected a report in the left-leaning Israeli daily Haaretz on Friday, which claimed Israeli soldiers were ordered to shoot at Palestinians approaching aid sites inside Gaza. They called the report's findings "malicious falsehoods designed to defame" the military.

More than 500 Palestinians have been killed and hundreds more wounded while seeking food since the newly formed Gaza Humanitarian Foundation began distributing aid in the territory about a month ago, according to Gaza's Health Ministry.

Palestinian witnesses say Israeli troops have opened fire at crowds on the roads heading toward the sites. Reacting to the Haaretz piece, Israel's military confirmed that it was investigating incidents in which civilians had been harmed while approaching the sites. It rejected the article's allegations "of deliberate fire toward civilians."The foundation, which is backed by an American private contractor, has been distributing food boxes at four locations, mainly in the far south of Gaza, for the past month.

"GHF is not aware of any of these incidents but these allegations are too grave to ignore and we therefore call on Israel to investigate them and transparently publish the results in a timely manner," the group said in a social media post.Palestinians trying to find food have frequently encountered chaos and violence on their way to and on arrival at the aid sites. Tens of thousands are desperate for food after Israel imposed a 2 1/2 month siege on Gaza, blocking all food, water and medicine from entering the territory pending the setup of the GHF sites.

The bodies of eight people who died Friday had come to Shifa Hospital from a GHF site in Netzarim, although it was not immediately clear how they died, Dr. Mohamed Abu Selmyiha, the hospital's director, told The Associated Press. A GHF spokesperson challenged the report, saying they did not know of any incidents at or near their sites Friday.Twenty other bodies his hospital received Friday came from airstrikes across north Gaza, he said.

Protesters gather in Bangkok to demand PM Shinawatra's resignation over leaked phone call with Hun Sen

BANGKOK. Hundreds of protesters gathered in Thailand's capital on Saturday to demand the resignation of Prime Minister Paetongtarn Shinawatra, part of the brewing political turmoil set off by a leaked phone call with former Cambodian Prime Minister Hun Sen.Paetongtarn faces growing dissatisfaction over her handling of a recent border dispute with Cambodia involving an armed confrontation May 28. One Cambodian soldier was killed in a relatively small, contested area.The recorded phone call with Hun Sen was at the heart of the demonstration Saturday and has set off a string of investigations in Thailand that could lead to Paetongtarn's removal.Outrage over the call mostly revolved around Paetongtarn telling Hun Sen, the current Cambodian Senate president, not to listen to "an opponent" in Thailand. It's believed to be a reference to the regional Thai army commander in charge of the area where the clash happened, who publicly criticized Cambodia over the border dispute.

Protesters held national flags and signs as they occupied parts of the streets around the Victory Monument in central Bangkok. At a huge stage set up at the monument, speakers expressed their love for Thailand following the intensified border dispute.Many of the leading figures in the protest were familiar faces from a group popularly known as Yellow Shirts, whose clothing color indicates loyalty to the Thai monarchy. They are longtime foes of Paetongtarn's father, former Prime Minister Thaksin Shinawatra, who reportedly has a close relationship with Hun Sen.

Driven to starvation, Sudanese people eat weeds and plants to survive as war rages

CAIRO. With Sudan in the grips of war and millions struggling to find enough to eat, many are turning to weeds and wild plants to quiet their pangs of hunger. They boil the plants in water with salt because, simply, there is nothing else.Grateful for the lifeline it offered, a 60-year-old retired school teacher penned a love poem about a plant called Khadija Koro. It was "a balm for us that spread through the spaces of fear," he wrote, and kept him and many others from starving.

A.H, who spoke on the condition his full name not be used, because he feared retribution from the warring parties for speaking to the press, is one of 24.6 million people in Sudan facing acute food insecurity —nearly half the population, according to the I ntegrated Food Security Phase Classification. Aid workers say the war spiked market prices, limited aid delivery, and shrunk agricultural lands in a country that was once a breadbasket of the world.Sudan plunged into war in April 2023 when simmering tensions between the Sudanese army and its rival paramilitary the Rapid Support Forces escalated to fighting in the capital Khartoum and spread across the country, killing over 20,000 people, displacing nearly 13 million people, and pushing many to the brink of famine in what aid workers deemed the world's largest hunger crisis.Food insecurity is especially bad in areas in the Kordofan region, the Nuba Mountains, and Darfur, where El Fasher and Zamzam camp are inaccessible to the Norwegian Refugee Council, said Mathilde Vu, an aid worker with the group based in Port Sudan.

'This is not an ordinary fraud case': Funeral home owner who stashed nearly 190 decaying bodies sentenced to 20 years in prison

Federal prosecutors accused both Hallfords of pandemic aid fraud, siphoning the money and spending it and customer's payments on a GMC Yukon and Infiniti worth over $120,000 combined, along with $31,000 in cryptocurrency...

DENVER. A Colorado funeral home owner who stashed nearly 190 dead bodies in a decrepit building and sent grieving families fake ashes received the maximum possible sentence of 20 years in prison on Friday, for cheating customers and defrauding the federal government out of nearly $900,000 in COVID-19 aid.Jon Hallford, owner of Return to Nature Funeral Home, pleaded guilty to conspiracy to commit wire fraud in federal court last year. Separately, Hallford pleaded guilty to 191 counts of corpse abuse in state court and will be sentenced in August.At Friday's hearing, federal prosecutors sought a 15-year sentence and Hallford's attorney asked for 10 years. Judge Nina Wang said that although the case focused on a single fraud charge, the circumstances and scale of Hallford's crime and the emotional damage to families warranted the longer sentence.

"This is not an ordinary fraud case," she said.

In court before the sentencing, Hallford told the judge that he opened Return to Nature to make a positive impact in people's lives, "then everything got completely out of control, especially me.""I am so deeply sorry for my actions," he said. "I still hate myself for what I've done."Hallford and his wife, Carie Hallford, were accused of storing the bodies between 2019 and 2023 and sending families fake ashes. Investigators described finding the bodies in 2023 stacked atop each other throughout a squat, bug-infested building in Penrose, a small town about a two-hour drive south of Denver.The morbid discovery revealed to many families that their loved ones weren't cremated and that the ashes they had spread or cherished were fake. In two cases, the wrong body was buried, according to court documents.Many families said it undid their grieving processes. Some relatives had nightmares, others have struggled with guilt, and at least one wondered about their loved one's soul.Among the victims who spoke during Friday's sentencing was a boy named Colton Sperry. With his head poking

just above the lectern, he told the judge about his grandmother, who Sperry said was a second mother to him and died in 2019.Her body languished inside the Return to Nature building for four years until the discovery, which plunged Sperry into depression. He said he told his parents at the time, "If I die too, I could meet my grandma in heaven and talk to her again."

His parents brought him to the hospital for a mental health check, which led to therapy and an emotional support dog."I miss my grandma so much," he told the judge through tears.Federal prosecutors accused both Hallfords of pandemic aid fraud, siphoning the money and spending it and customer's payments on a GMC Yukon and Infiniti worth over $120,000 combined, along with $31,000 in cryptocurrency, luxury items from stores like Gucci and Tiffany & Co., and even laser body sculpting.Derrick Johnson told the judge that he traveled 3,000 miles (4,830 kilometers) to testify over how his mother was "thrown into a festering sea of death.""I lie awake wondering, was she naked? Was she stacked on top of others like lumber?" said Johnson.While the bodies rotted in secret, (the Hallfords) lived, they laughed and they dined," he added. "My mom's cremation money likely helped pay for a cocktail, a day at the spa, a first class flight."Jon Hallford's attorney, Laura H. Suelau, asked for a lower sentence of 10 years in the hearing Friday, saying that Hallford "knows he was wrong, he admitted he was wrong" and hasn't offered an excuse.

Bangladesh government reaffirms commitment to safeguard minority rights

DHAKA. Bangladesh government has said that it remains firmly committed to safeguarding the rights of all communities and protecting places of worship but building religious structures on public land is not permissible "under any circumstance".

The Foreign Ministry's statement on Friday came a day after India denounced the reported destruction of a Durga temple in Dhaka and stressed the responsibility of Bangladesh's interim government to protect Hindus as well as religious institutions.The ministry claimed that the temple in Dhaka's Khilkhet area was built on land owned by Bangladesh Railways, and its removal was carried out following due process to recover public land, the state-run BSS news agency reported.It alleged that the temple started as a makeshift pavilion, with organisers attempting to make the temporary structure permanent despite repeated reminders.On June 26, Bangladesh Railways proceeded with the "peaceful eviction of all unauthorised structures along the rail track in Khilkhet area," it said.

"While the laws of the land ensure full

protection to all places of worship without discriminating against any built-in conformity with law, it is not permissible for any to build any religious structure encroaching public land under any circumstances," the ministry said."Bangladesh remains firmly committed to safeguarding the rights of all communities, including protection of the places of worship," it added.During a briefing on Thursday, External Affairs Ministry spokesperson Randhir Jaiswal said, "We understand that extremists were clamouring for demolishing the Durga temple in Khilkhet, Dhaka.""The interim government, instead of providing security to the temple, projected the episode as illegal land use and they allowed the destruction of the temple today," he said.

"This has resulted in damage to the deity before it was shifted. We are dismayed that such incidents continue to recur in Bangladesh," he added.Jaiswal underlined that it is the responsibility of the interim government of Bangladesh "to protect Hindus, their properties, and religious institutions."The Hindu population in Bangladesh has been affected by a series of incidents against minority communities in the country.

Thousands mourn top Iranian military commanders, scientists killed in Israeli strikes

DUBAI. Thousands of mourners lined the streets of downtown Tehran on Saturday for the funeral of the head of the Revolutionary Guard and other top commanders and nuclear scientists killed during a 12-day war with Israel.

The caskets of Guard's chief Gen. Hossein Salami, the head of the Guard's ballistic missile program, Gen. Amir Ali Hajizadeh and others were driven on trucks along the capital's Azadi Street as people in the crowds chanted: "Death to Aerica" and "Death to Israel."Salami and Hajizadeh were both killed on the first day of the war, June 13, as Israel launched a war it said meant to destroy Iran's nuclear program, specifically targeting military commanders, scientists and nuclear facilities.There was no immediate sign of Iran's Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei, in the state broadcast of the funeral. Khamenei, who has not made a public appearance since before the outbreak of the war, has in past funerals held prayers for fallen commanders over their caskets before the open ceremonies, later aired on state television.Iranian Foreign Minister Abbas Araghchi was on hand, and state television reported that Gen. Esmail Qaani, who heads the foreign wing of the Revolutionary Guard, the Quds Force, and Gen. Ali Shamkhani were also among the mourners.Shamkhani, an adviser to Khamenei who was wounded in the first round of Israel's attack and hospitalized, was shown in a civilian suit leaning on a cane in an image distributed on state television's Telegram channel.Iran's Revolutionary Guard was created after its 1979 Islamic Revolution. Since it was established, it has evolved from a paramilitary, domestic security force to a transnational force that has come to the aid of Tehran's allies in the Middle East, from Syria and Lebanon to Iraq. It operates in parallel to the country's existing armed forces and controls Iran's arsenal of ballistic missiles, which it has used to attack Israel twice during the Israel-Hamas war in the Gaza Strip.Over 12 days before a ceasefire was declared on Tuesday, Israel claimed it killed around 30 Iranian commanders and 11 nuclear scientists, while hitting eight nuclear-related facilities and more than 720 military infrastructure sites. More than 1,000 people were killed, including at least 417 civilians, according to the Washington-based Human Rights Activists group.Iran fired more than 550 ballistic missiles at Israel, most of which were intercepted, but those that got through caused damage in many areas and killed 28 people.Saturday's ceremonies were the first public funerals for top commanders since the ceasefire, and Iranian state television reported that they were for 60 people in total, including four women and four children.Authorities closed government offices to allow public servants to attend the ceremonies.Iran has always insisted its nuclear program is only for peaceful purposes. But Israel views it as an existential threat and said its military campaign was necessary to prevent Iran from building an atomic weapon.

Many South Asians, Muslims in NYC and beyond electrified by Mamdani's mayoral primary triumph

World The success of Zohran Mamdani in New York City's Democratic primary for mayor is euphoric for Hari Kondabolu, a stand-up comedian who's been friends with the candidate for 15 years.

Mamdani stunned the political establishment when he declared victory in the primary on Tuesday, a ranked choice election in which his strongest competition, former New York Gov. Andrew Cuomo, conceded defeat.When he launched his campaign, the unabashed democratic socialist ranked near the bottom of the pack. Now, the 33-year-old state assemblyman has a chance to be New York City's first Asian American and Muslim mayor. Mamdani's family came to the United States when he was 7, and he became a citizen in 2018. He was born to Indian parents in Kampala, Uganda.

For Kondabolu, this moment is not just exciting, but emotional.

"I think so many of us have had those experiences in New York of being brown and in a city that has always been really diverse and feels like ours. But after 9/11, like you start to question it like, is this our city too," Kondabolu said. "And 25 years later ... it's surreal, like this is the same city but it's not because we've elected this person."Mamdani's campaign has piqued the interest of many Indian, Pakistani and other South Asian Americans, as well as Muslims — even those who may not agree with Mamdani on every issue. Despite that opposition, some still see his rise as a sign of hope in a city where racism and xenophobia erupted following the Sept. 11, 2001, terrorist attacks.

South Asians and Muslims riveted by primary in New York, and beyondMany of New York City's over 300,000 South Asian residents have been inspired by Mamdani's extraordinary trajectory."My mom was texting her friends to vote for him. I've never seen my mother do that before," Kondabolu said. "So the idea that it's gotten our whole family activated in this way — this is, like, personal."Snigdha Sur, founder and CEO of The Juggernaut, an online publication reporting on South Asians, has been fascinated by the response from some people in India and the diaspora.

"So many global South Asians ... they're like, 'Oh, this guy is my mayor and I don't live in New York City,'" Sur said.At the same time, some are also concerned or angered by Mamdani's past remarks about Indian Prime Minister Narendra Modi, who he publicly called a "war criminal."In Michigan, Thasin Sardar has been following Mamdani's ascent online. When he first heard him, he struck him as "genuine" and he felt "an instant connection," he said."As a Muslim American, this victory puts my trust back in the people," said Sardar, who was born and raised in India. "I am happy that there are people who value the candidate and his policies more than his personal religious beliefs and didn't vote him down because of the color of his skin, or the fact that he was an immigrant with an uncommon name."

New York voter Zainab Shabbir said family members in California, and beyond, have also excitedly taken note.

Pakistan welcomes Court of Arbitration's ruling on J&K hydroelectric projects

ISLAMABAD. Pakistan on Saturday welcomed the ruling by the Permanent Court of Arbitration in The Hague over two hydroelectric projects in Jammu and Kashmir and indicated its readiness for talks with India on issues relating to Indus Waters Treaty.The "high priority", at this point, is that "India and Pakistan find a way back to a meaningful dialogue, including on the application of the Indus Waters Treaty (IWT)," Pakistan said in a statement released early on Saturday.India on Friday strongly rejected the ruling saying it has never recognised the so-called framework for dispute resolution with Pakistan.

India rejects this so-called "supplemental award", the Ministry of External Affairs (MEA) said, referring to the ruling in the case related to Pakistan's objections to Kishenganga and Ratle hydropower projects.In its ruling, the Court of Arbitration said India's decision in April to keep the Indus Waters Treaty in abeyance "does not limit" its competence over the dispute and that its ruling is binding on the parties.However, India has never recognised the proceedings at the Permanent Court of Arbitration after Pakistan raised objections to certain design

elements of the two projects under the provisions of the Indus Waters Treaty.On the other hand, Pakistan called the ruling a "major legal win" emphasising that it is a "clear message that India cannot unilaterally suspend or sideline the treaty."The MEA called out Pakistan by saying that "this latest charade at Pakistan's behest is yet another desperate attempt by it to escape accountability for its role as the global epicentre of terrorism.""Pakistan's resort to this fabricated arbitration mechanism is consistent with its decades-long pattern of deception and manipulation of international forums," it said in a statement.The illegal Court of Arbitration, purportedly constituted under the Indus Waters Treaty 1960, albeit in brazen violation of it, has issued what it characterizes as a 'supplemental award' on its competence concerning the Kishenganga and Ratle hydroelectric projects in the Indian Union Territory of Jammu and Kashmir," the MEA said.

"India has never recognised the existence in law of this so-called Court of Arbitration," it said.The MEA said India's position has all along been that the constitution of this so-called arbitral body is in itself a serious breach of the Indus Waters Treaty and consequently any proceedings before this forum and any award or decision taken by it are also illegal for that reason.A day after the April 22 Pahalgam terror attack, India took a series of punitive measures against Pakistan that included putting the Indus Waters Treaty of 1960 in "abeyance".

"Following the Pahalgam terrorist attack, India has in exercise of its rights as a sovereign nation under international law, placed the Indus Waters Treaty in abeyance, until Pakistan credibly and irrevocably abjures its support for cross-border terrorism," the MEA said.

"Until such time that the treaty is in abeyance, India is no longer bound to perform any of its obligations under the treaty," it said.

"No court of arbitration, much less this illegally constituted arbitral body which has no existence in the eye of law, has the jurisdiction to examine the legality of India's actions in exercise of its rights as a sovereign," it added.

NEWS BOX

Arshdeep Singh, tailenders' batting in focus at India's practice session in Birmingham: Report

NEW DELHI. Fast bowler Arshdeep Singh had a long practice session in India's first training session in Birmingham, reported Times of India on Friday, June 27. The left-arm fast bowler, who is yet to make his Test debut, worked closely with bowling coach Morne Morkel.In case Jasprit Bumrah does not play the second Test match at Edgbaston, Arshdeep could be in the running to make his Test debut. The fast bowler is well established in the white-ball format with the Indian team and would love to get a chance with the red ball, in conditions where he has played County Cricket before.According to the report, star fast bowlers Jasprit Bumrah and Prasidh Krishna did not train with the side, despite being at the stadium premises. Bumrah has already mentioned that he would play 3 Test matches and would take a call on more if his body responds better to the workload. The fast bowler captained India at Edgbaston back in 2022, a Test match where Ben Stokes' England chased down 378 runs to script an incredible win.The second Test of the 5-match series

begins on July 2. India are already 0-1 down in the series after the hosts chased down 371 runs in little more than a day at Headingley, Leeds. Ben Duckett was instrumental in neutralising Jasprit Bumrah in the final innings of the Test match. Bumrah went wicketless in the final innings as India failed to defend a big total.

INDIA'S FRONTLINE PACERS WITHOUT BUMRAHIn case Bumrah does not play the 2nd Test, this is how India's potential pace attack might look like.

Mohammed Siraj - 37 Tests

Akash Deep - 7 Tests

Prasidh Krishna - 4 Tests

Arshdeep Singh - Yet to debut

It is expected that the Indian team will make changes to their combination. India might play two spinners in the 2nd Test match in case the hosts once again offer a dry and flat pitch like Headingley.Apart from Arshdeep's training, focus was also put on Mohammed Siraj's batting, as Sitanshu Kotak spent an extended amount of time fixing the technique of the fast bowler.

Prabath Jayasuriya spins Sri Lanka to innings victory over Bangladesh in 2nd Test

New Delhi. Sri Lanka completed a massive win by an innings and 78 runs over Bangladesh in the 2nd and the final Test of the two-match series on Saturday, June 28 at Sinhalese Sports Club, Colombo. Prabath Jayasuriya's 12th five-wicket haul helped the hosts win the series by 1-0 as Bangladesh capitulated for 133 in the second innings.The Dhananjaya de Silva-led side could smell victory late on Day 3 as they left Bangladesh reeling at 115/6 at stumps after Tharindu Ratnayake got Mehidy Hasan Miraz (11 off 16) lbw in the last over of the day. It didn't take long for Jayasuriya to get into the act on Day 4 as he added to his overnight tally of two wickets by getting Litton Das (14) caught behind the stumps by wicketkeeper

Kusal Mendis.The left-arm spinner struck again in the next over as he outfoxed Nayeem Hasan, who was made to drag his foot outside the batting crease and Mendis wasted no time in dislodging the bails to pile on the misery on Bangladesh.There was no stopping Jayasuriya as he further got rid of Taijul Islam in his third over the day and completed his five-wicket haul. Ratnayake (2/19) hit the final nail in the coffin by dismissing Ebadot Hossain lbw for 6 (7) as Bangladesh got all out for 133 in 44.2 overs.Captain De Silva (2/13) and Asitha Fernando (1/22) were also amongst the wickets as Sri Lanka began the World Test Championship (WTC) cycle 2025-27 with a series win. Pathum Nissanka was adjudged Player of the Match for his magnificent innings of 158 in the first innings, laced with 19 fours. He was also adjudged Player of the Series, for finishing as the highest run scorer of the two-match rubber with 369 runs from three innings at an average of 123 with two centuries to his name.He earlier scored 187 in the first innings of the drawn first Test in Galle. Meanwhile, after losing the series, Bangladesh captain Najmul Hossain Shanto stepped down from his position.

Raphinha praises Nico Williams amid possible Barcelona move: Player of highest quality

- Raphina is unbothered by the club's likely new signing, Nico Willimaons
- He feels as long as the team is willing to work hard for all the available titles
- He said some of his national teammates from PSG have yet to celebrate their Champions League victory

NEW DELHI. Barcelona's attacking star, Raphinha, is not surprised that the club is linked to the signing of Spanish forward Nico Williams, as he deems the winger to be a player of the highest quality.Since the start of the 2024-25 season, the Spanish giants have been linked with the transfer, and reports suggest that the move could finally happen soon. Many will also be keen on seeing how the side will line up, considering that Raphinha had taken the left-wing role, albeit playing with more freedom, while Lamine Yamal tends to stick to the right side."It's no coincidence that he's being considered to play with us at Barcelona and for the Spanish national team. He's a player of the highest quality. He has a very high level, a lot of quality," Raphinha was quoted as saying by Mundo Deportivo.Should the Spaniard make the switch, Raphinha remains unfazed and would welcome his arrival. Instead, he wants to nurture a culture within the team where everyone is willing to put in the work and not play for their self-interest."There's no room for sadness or depression about anything, with the arrival of one or another. As I said, any teammate who arrives intending to work hard to help the team will be very welcome, both by me and by the other players. That's the most important thing," he shared.The star attacker also opened up about how players have not had the chance to celebrate their major victories properly due to the hectic scheduling with the addition of the FIFA Club World Cup. He mentioned how some of his national teammates from PSG have yet to celebrate their Champions League victory as well."Giving up vacations out of obligation is complicated. For example, PSG's Marquinhos and Beraldo played in the Champions League final; they didn't even get to celebrate properly, and they travelled here to South America to play for their national team. The second game ended, and they came back straight to represent their club and play in the World Cup. They haven't stopped yet," he said.For now, Raphinha and the club are enjoying some time away from the pitch as they are not participating in the FIFA Club World Cup. With some time off, Raphinha hopes that he can get back to his best form at the start of the new season and once again show why he is amongst the best in the world, regardless of whether the club sign Nico Williams or not.

Roston Chase demands penalty for umpires after contentious calls in 1st Test

- Australia beat West Indies by 159 runs in 1st Test
- Several decisions went against West Indies during match
- TV umpire Adrian Holdstock faced flak for his calls

NEW DELHI. West Indies captain Roston Chase demanded a penalty for the umpires after several controversial decisions went against them during the first Test against Australia in Kensington Oval, Bridgetown, Barbados. Australia beat West Indies by 159 runs as Josh Hazlewood ran through the hosts on Day 3 with his five-wicket haul.Following their loss, Chase called out the contentious decisions during the match and said that the umpires should face penalties for their wrong calls as one bad decision can make or break a player's career. He mentioned how players face harsh penalties when they're found breaching the code of conduct and asked for similar treatment of umpires."But the officials, nothing ever happens to them. They just have a wrong decision or questionable decision, and life just goes on. You're talking about guys' careers. One bad decision could make or break a guy's career. I just think that it should be an even playground in terms of when players step out of line, they're penalised. I think that there should be some penalty put in place when you have blatant decisions going against you," said Chase in the post-match press conference.Three decisions became the talking point of the Test match as on Day 1, Australia batter Travis Head was given a reprieve by TV umpire Adrian Holdstock after he ruled him not out on 53, citing lack of evidence on a clear catch by Shai Hope behind the stumps. Later on Day 2, Roston Chase was given out lbw against Pat Cummins, despite the cameras showing an inside edge onto the pads on replays.

To add to West Indies' woes, Shai Hope was given out against Beau Webster as a low take from wicketkeeper Alex Carey was ruled in Australia's favour. West Indies head coach Darren Sammy even met with match referee Javagal Srinath after Day 2 to express his concerns over the controversial decisions. Meanwhile, after losing the first Test, West Indies will be eager to make a comeback in the second Test of the series, beginning from July 3 in Grenada.

The KL Rahul comeback: Are India reaping rewards of Rohit Sharma and Abhishek Nayar's work

NEW DELHI. India batter KL Rahul has been enjoying some sensational form since the Border-Gavaskar Trophy. A gritty outing in Australia and then two fantastic performances in the Champions Trophy 2025 and Indian Premier League, KL Rahul is enjoying one of the best patches of his career.In the absence of Virat Kohli and Rohit Sharma in the Test series against England, Rahul has started strongly as well, hitting a century in the second innings of the opening Test match. Former India batting coach Abhishek Nayar has revealed that Rahul's revival of form was one of the main projects he undertook during his tenure with the Indian team."When I first picked up that role, I remember I had a conversation with Rohit, and he said that one of the things he was really keen on me doing was working with KL and bringing out a more aggressive outlook to how KL played the game, and bringing the best

out of him because he believed strongly that KL would play a major role in the Champions Trophy, World Cup and everything going forward including the BGT [Border-Gavaskar Trophy] and the Tests in England," Abhishek Nayar told ESPNcricinfo in an interview.

KL Rahul's Comeback in 2024The current KL Rahul is vastly different from the KL Rahul of 2023, who was heavily criticised for his outing in the ODI World Cup 2023 final. In that match, Rahul got stuck between gears and failed under the pressure of the big occasion against Pat Cummins' Australia team.Subsequently, Rahul was dropped from the T20 World Cup team in 2024 and was also let go by his Indian Premier League franchise, Lucknow Super Giants.

Nayar revealed that drastic changes needed to be made in KL Rahul's technique and mentality, and the duo got to work during India's ill-fated Test series against New Zealand."Australia was going to be critical for him because it was almost like what if you didn't get runs there, then where is his career going? Because he was out of the T20 [squad].

MLC 2025: Heinrich Klaasen quits Seattle Orcas captaincy, coach Matthew Mott sacked

- Heinrich Klaasen stepped down as captain of the Seattle Orcas
- Sikandar Raza will take over as captain for the rest of the season
- Coach Matthew Mott has also been sacked from his role

New Delhi. The Seattle Orcas are undergoing major changes in their setupmidway through MLC 2025. Heinrich Klaasen has stepped down as the captain, while head coach Matthew Mott has been sacked from his role with the franchise.The decision was made after the franchise was unable to bring up their first points of the season after playing five games in the 2025 season. Klaasen decided to step away from the captaincy to focus more on his batting, and the leadership duties have been passed down to Zimbabwe's Sikandar Raza for the rest of the season.This is a moment of reflection and renewal for the Seattle Orcas. This has been a tough run for the team, and with it, some difficult decisions had to be made. We are grateful to Matthew for his commitment and professionalism during his time with us, and we wish him the very best in his future endeavours," Hemant Dua, the CEO of the Seattle Orcas, shared in a statement."We respect Heinrich's decision to step down voluntarily as captain to focus on his batting. This reflects his character and team-first mindset. Sikandar was our unanimous choice once we heard from Klassen about his decision. We believe these changes set the stage for a strong second half of the season," he added.

ORCAS BREAK OUT OF LOSING RUT

The changes to the side have resulted in the side finally picking up its first win of the season. They beat MI New York in a last-over thriller to win by three wickets in Dallas. Shimron Hetmyer stole the show as he went on to score 97 runs in just 40 balls to take the Orcas over the line.MI New York had set a whopping 238-run target thanks to the skipper, Nicholas Pooran, hitting a blistering 60-ball 108 while Tajinder Dhillon played a masterful 95 in 35 balls.

But the Orcas put up a collective batting display with cameos from Kyle Mayers, Raza and Klaasen while Hetmyer did the heavy lifting despite coming in at six in the batting order. The southpaw's knock was laced with five boundaries and nine sixes, which saw his side go over the line for their first win of the season.

Josh Hazlewood 5-for leads Australia to three-day win over West Indies in Barbados test

BRIDGETOWN. Australia blew away the West Indies for 141 and won the first test by 159 runs at Kensington Oval on day three Friday.The West Indies was set a stressful 301 target to win on a tricky pitch and folded in 33.4 overs.The chief destroyer was seamer Josh Hazlewood with 5-43 from 12 overs.

The West Indies collapsed to 86-8 inside 27 overs but the Australians didn't mop up the last resistance until the day's last over in an extra 75 minutes.Despite the inevitable, allrounder Justin Greaves, 38 not out, and No. 10 batter Shamar Joseph, a career-best 44 with four sixes, went for broke in a team-best ninth-wicket stand of 55 runs.Australia started the day in some bother at 92-4 in its second innings, but half-centuries from Travis Head, Beau Webster and Alex Carey hoisted them to an impressive 310 all out and a 300-run lead."We wanted to get 200 but felt lot more comfortable (with 300)," captain Pat Cummins said. "We're lucky to have Josh, he presents a good seam and hits good areas. He bowled beautifully."West Indies start chase badlyWest Indies' attempt at its eighth highest successful run chase and highest in eight years was in trouble from the outset.Mitchell Starc claimed opening batter Kraigg Brathwaite in the first over, caught at backward square by a diving Sam Konstas.

"We lost our most experienced batsman in the first over and never got a foot back in the game," West Indies captain Roston Chase said. "The result was heartbreaking. We did well to get a (10-run first-innings) lead but couldn't put a batting innings together."Starc also should have bagged Keacy Carty on 1 but Cameron Green spilled the catch at gully. That was the 10th dropped catch in the match and Australia's third.Hazlewood changed ends and suddenly had success by dismissing John Campbell, scooping badly and gloving to wicketkeeper Carey, and Brandon King, caught above the 1.98-meter Green's head, in

successive balls.When Chase gave Konstas another catch at short leg, West Indies was 49-4 in 13 overs.Carty used his one life to reach 20 when he tried defending Hazlewood and lost his off stump.Shai Hope, the leading West Indies run-scorer in the first innings, faced 21 balls for 2 until his off stump was hit by a low shooter from Cummins.Alzarri Joseph was then slow coming from the non-striker's end and run out by a throw from substitute fielder Marnus Labuschagne.Jomel Warrican's edge behind gave Hazlewood his 13th test five-for and second in the Caribbean, 10 years after the first.Greaves and Shamar Joseph frustrated Australia with lusty strokes but Nathan Lyon ended the joyride in his second over of the innings.

On day one, 14 wickets fell, and on day two 10 wickets. Before Friday's play, Lyon said, "Every run is gold." But Australia enjoyed a gold rush from Head, who made 61, Webster 63, and Carey 65.Australia, starting on 92-4 and a lead of 82, amassed a bonus 310 total.After taking cover late Thursday, Head came out firing in the morning but should have gone on 21 and it be 107-5. Greaves spilled the catch at second slip off the bowling of Alzarri Joseph. It was West Indies' seventh dropped catch in the match.

Shraddha Kapoor's

Cryptic Emotional Note Leaves Fans Concerned: 'She Is Silently Struggling'

Shraddha Kapoor took to Instagram to pen a heartfelt poem about comforting someone in their sad times. The poem resurfaced on Reddit and left fans divided. While some believe that the poem is a cry for help and that the actress is expressing her loneliness, others said that it's a romantic poem that she wrote for her rumoured boyfriend Rahul Mody.The poem read, "Jab tum akele ho, Main tumhare paas baith jaungi. Jab tum udaas ho, Main tumhe baahon main bhar loongi. Mujhe pata hai tum kho jaate ho. Mujhe pata hai tum bhaag jaate ho. Lekin main tumhe dhoond loongi, aur tumhe thaam loongi."

One person wrote, "Life's complicated-even and especially for those in the public eye. They have the same insecurities as we do, but they live in a bubble, so they don't always get to touch grass. The least we can do is practice kindness towards everyone." Another added, "Life is hard, and 2025 has particularly been hard for a lot of people. Wishing her strength." One person wrote, "I feel like Shraddha Kapoor is silently struggling. Lately, I've been noticing something different about Shraddha Kapoor. In her recent photos, her smile doesn't feel the same—it's like it's missing the spark we all used to see."

Someone else wrote, "Why do I feel like this is a romantic story, not a sad one, & she is so much in love!" Another wrote, "I feel this is a message for her boyfriend." One comment read, "This feels like something her boyfriend wrote for her and not a call for help." Another added, "Idk this seems dedicated to Rahul Mody, not her being sad or anything." Someone else wrote, "Is this for her boyfriend?"

Meanwhile, Shraddha Kapoor's recent spotting outside Maddock Films' office in Mumbai stirred quite the buzz, leading to fan speculation about a possible new project with the production house. And now, reports are rife that the actress was at the office for a creative meeting with producer Dinesh Vijan, and the conversation points to an exciting reunion. The upcoming project is believed to be based on a popular Marathi novel and will showcase Shraddha in a culturally rooted role.

Shraddha Kapoor was last seen in Stree 2. The horror-comedy, released in 2024, starred her alongside Rajkummar Rao, Abhishek Banerjee, Aparshakti Khurana and Pankaj Tripathi. The Amar Kaushik's directorial took the box office by storm.

Ranveer Brar Attends Cannes Lions, Calls Experience 'Truly Magical'

The event is a global gathering of creative minds determining the future of marketing and advertising.

Chef Ranveer Brar recently graced the red carpet at the Cannes Lions International Festival of Creativity 2025, a prestigious global event that celebrates innovation in marketing and advertising. The festival gathers creative minds from across the world, recognising how imagination and storytelling can spark change, forge connections and drive progress.

Taking to Instagram, Ranveer shared a carousel capturing memorable moments from his trip to the stunning French Riviera. The first photo shows him descending a red-carpeted staircase with poise, followed by a quirky shot in front of a hotel featuring a giant Mickey Mouse installation. Another frame shows him striking a stylish pose by the beach, while the final image features him near a staircase, exuding calm confidence.

Captioning the post, Ranveer wrote, "They said Cannes is magical... turns out, it really is!"—perfectly summing up his experience at this remarkable celebration of creativity.

For the event, Ranveer opted for a white and teal deconstructed suit that combined sharp tailoring with playful, avant-garde elements including quirky prints and a feathery shoulder detail. The ensemble was from the shelves of the fashion designer Anurag Gupta.

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user wrote, "Chef with style." Another one shared, "Wonderful chef looks awesome." One of them commented, "Love the looks."

Known for his culinary art and his sense of styling, the Chef recently bagged the Most Stylish Culinary Artist of the Year 2025 award.Being one of India's most acclaimed chefs, his journey began from the backstreets of Lucknow to become one of the youngest executive chefs at a five-star hotel, before wowing viewers as a host on MasterChef India, Raja Rasoi Aur Andaaz Anokha and Station Master's Tiffin. His culinary style is based on culture, nostalgia and a great appreciation for ingredients—every dish is a tribute and each plate is a story.Recently, he appeared as a judge on the cooking-based reality show Celebrity MasterChef along with Chef Vikas Khanna and Farah Khan.

Disha Parmar's Mom Life Moment With Rahul Vaidya On Phone Is Relatable

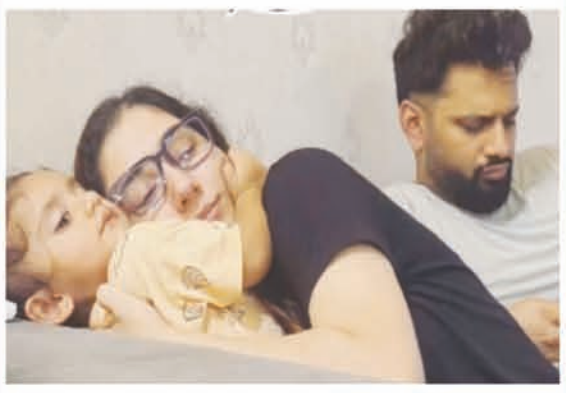

Disha Parmar is melting hearts once again, this time with a slice-of-life moment that perfectly captures the sweet chaos of parenthood. The Bade Achhe Lagte Hain 2 actress, who welcomed her baby girl Navya (fondly called Navu) in 2023 with husband Rahul Vaidya, has been sharing glimpses of their joyful family life ever since.In her latest Instagram story, Disha dropped an adorable photo featuring the trio in full-on cozy mode. While she's seen snuggling Navu on the sofa, Rahul is blissfully engrossed in his phone, offering a hilariously relatable snapshot of everyday family life. Adding the perfect soundtrack, Disha paired the image with the viral audio "If it's cute, that's it," and captioned it cheekily: "Life every day (sin) Navu & mummy clinging to each other whilst Baba is on phone (sin)."

Since becoming a mother, Disha has been open about her journey, sharing both the joys and challenges of parenting. From sweet milestones with Navya to her unwavering dedication to fitness, she continues to balance her personal and professional life with grace. Fans admire her authenticity, as she keeps them updated with heartwarming glimpses into her world.

A few weeks ago, Disha revealed how her life has been lately while throwing light on the struggles of her motherhood phase. "It's been over 2 years since I last slept well! That uninterrupted 8–9 hrs of sleep… I don't remember what that was or waking up fresh without the cries! Urgh… waiting for that to come back.

Hopefully soon!" she wrote in an Instagram post.Disha Parmar and her husband Rahul Vaidya welcomed their princess in September 2023 after being in marital bliss for almost two years. As the couple navigate this new chapter, their adorable family moments serve as a reminder of the beauty of togetherness. With Navya at the centre, this trio is undoubtedly winning hearts, one post at a time!

Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah: Dilip Joshi

Munmun Dutta

Quit Asit Modi's Show?

Who does not know Jethalal and Babita ji? The iconic characters, played by Dilip Joshi and Munmun Dutta respectively in Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah, are widely loved by the audience. However, the current plot in the show doesn't feature the favourite pair of characters. And therefore, their absence has left everyone wondering if Dilip Joshi and Munmun Dutta have left the popular sitcom.The rumours of Dilip Joshi and Munmun Dutta's exit from TMKOC started after fans noticed that Jethalal and Babita Ji have been missing from the current 'Bhootni' plot for a long time now. All the members of the Gokuldham society are on vacation in a haunted bungalow. While other characters like Bapu ji, Popatlal, Sodhi and others have joined Taarak Mehta and Anjali on this vacation, Jethalal and Babita Ji have been missing in action. This has left everyone wondering if Dilip Joshi and Munmun Dutta are planning to quit the show.

As reported by ABP News, the show's production house has confirmed that Munmun Dutta and Dilio Joshi are still part of the show. While the current plotline indicates that 'Jethalal' is on a business trip with his associates, 'Babita' and 'Iyer' are said to be vacationing in Mahabaleshwar.It should be noted that both Munmun Dutta and Dilip Joshi have been a part of TMKOC ever since its beginning. The former plays the role of Babita ji in the popular sitcom, and her chemistry with Jethalal (essayed by Dilip Joshi) is widely loved by all.

Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah has been running successfully for 17 years now. However, in these years, several actors have also left the show. Among others, Disha Vakani, Jheel Mehta, Bhavya Gandhi, Raj Anadkat, Palak Sindhwani, Gurucharan Singh Sodhi and Neha Mehta are no longer a part of TMKOC.

In a previous interview with the SCREEN, Asit Modi talked about actors leaving the show and then making allegations against him. "I have never detached myself from the actors. If there is any issue, they can always contact me. I have always been very honest and kept the show first. I have never thought of any personal gains, so with incidents like these, I do get upset, but it's a part of life," he said.